

ज्ञानेश कुमार को निलंबित करने से सुप्रीम कोर्ट का इंकार

नई दिल्ली,5 अक्टूबर। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को उनके पद से तुरंत निलंबित करने के लिए कोई भी अंतरिम आदेश जारी करने से साफ इनकार कर दिया है। भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) के भीतर मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के अन्य दो चुनाव आयुक्तों- सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी को दरकिनार कर 'एकतरफा फैसले' लेने के आरोपों के मामले में सुप्रीम कोर्ट से बड़ी खबर सामने आई है।

चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को उनके पद से तुरंत निलंबित करने के लिए कोई भी अंतरिम आदेश जारी करने से साफ इनकार कर दिया है। हालांकि, शीर्ष अदालत ने मामले की गंभीरता को देखते हुए चुनाव आयोग को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। याचिका पर सुनवाई करते हुए चीफ जस्टिस सूर्यकांत की पीठ ने स्पष्ट संकेत दिया कि अगर चुनाव आयोग का जवाब देखने के बाद यह साबित होता है कि नियम और सर्वसम्मति को नजरअंदाज कर फैसले लिए गए थे, तो अदालत उन फैसलों को पलटने में संकोच नहीं करेगी। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा? सीजेआई की बेंच ने

ईसी को नोटिस जारी, कहा- फैसले गलत हुए तो तुरंत रद्द करेंगे



सुनवाई के दौरान कहा, “नोटिस का जवाब आने दीजिए। अगर चुनाव आयोग और रिकॉर्ड से यह सामने आता है कि अमुक फैसले तीन सदस्यीय आयोग की सर्वसम्मति/बहुमत के बिना एकतरफा तरीके से लिए गए थे, तो हम उन सभी फैसलों को रद्द कर देंगे।” सीनियर वकील विकास सिंह ने सुनवाई पूरी होने तक सीईसी की शक्तियों को सस्पेंड करने या उनसे शक्तियां वापस लेने की मांग की। सीनियर वकील मेनका गुरुस्वामी ने इसी से जुड़ी याचिका में 'फॉर्म 6'

में किए गए बदलावों पर सवाल उठाए और एसआईआर प्रक्रिया में बड़ी खामियों का आरोप लगाया। कोर्ट ने इन मामलों को एक साथ जोड़ दिया था। सीनियर एडवोकेट मेनका गुरुस्वामी का कहना है कि यह चुनौती एक राष्ट्रीय संस्था के तौर पर चुनाव आयोग के कामकाज से जुड़ी है। वह सीईसी के आचरण पर सवाल उठाने वाली अपनी दलीलों पर कायम हैं। उन्होंने कोर्ट से कहा, “हम इस देश में निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनावों के माहौल में बड़े हुए हैं। आज वैसी स्थिति नहीं है।” इस पर सीजेआई सूर्यकांत कहते हैं, “हम भी अपना होमवर्क करते हैं। हम भी मामले के बारे में जानते हैं।” चीफ जस्टिस ने कहा, “न्यूज रिपोर्ट पूरी तरह या आंशिक रूप से सही हो सकती है। हम इस पर उनका जवाब जानना चाहेंगे।” सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिकाओं में चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली और ‘स्पेशल इंटेसिव रिवीजन’ (एसआईआर) प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाए गए हैं। याचिकाकर्ताओं (राकेश कुमार सिंह व अन्य) का आरोप है कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने आयोग के बहु-सदस्यीय स्वरूप का उल्लंघन करते हुए बिना अन्य दो चुनाव

आयुक्तों की सहमति के कई नीतिगत और सॉफ्टवेयर संशोधन लागू कर दिए। याचिका में दावा किया गया है कि पश्चिम बंगाल में न्यायिक अधिकारियों की ओर से बहाल किए गए 16.10 लाख से ज्यादा मतदाताओं के खिलाफ बिना अन्य दो चुनाव आयुक्तों और राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) की जानकारी के अपील दाखिल कर दी गईं। वहीं गोवा में 97 पात्र मतदाताओं को पोर्टल पर रीस्टोर करने की सुविधा ही हटा दी गई थी। याचिकाओं में मांग की गई थी कि मुख्य चुनाव आयुक्त की ओर से बिना पूर्ण आयोग की सहमति के जारी किए गए सभी दिशानिर्देशों और फैसलों को असंवैधानिक और अमान्य घोषित किया जाए।

सुप्रीम कोर्ट ने तात्कालिक राहत के तौर पर मुख्य चुनाव आयुक्त को निलंबित करने की मांग को खारिज कर दिया है, लेकिन चुनाव आयोग से जवाब मांगकर ईसीआई के आंतरिक कामकाज की न्यायिक समीक्षा के दायरे में ला दिया है। अब चुनाव आयोग की तरफ से दाखिल किए जाने वाले हलफनामे और फाइलों की रूटिंग के रिकॉर्ड्स के आधार पर सुप्रीम कोर्ट तय करेगा कि क्या ईसीआई एक्ट, 1991 के तहत बहु-सदस्यीय आयोग की स्थापित प्रक्रियाओं का उल्लंघन हुआ था या नहीं।

'न्यूज रिपोर्ट सही या गलत भी हो सकती है'

सुप्रीम कोर्ट उन याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था जिनमें ज्ञानेश कुमार के कथित "एकतरफा" फैसलों को चुनौती दी गई थी; इन फैसलों में उन्होंने अपने दो चुनाव आयुक्तों को शामिल नहीं किया था। ये याचिकाएं एक न्यूज इन्वेस्टिगेशन रिपोर्ट के बाद दायर की गईं, जिसमें दावा किया गया था कि चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले 10 महीनों में एसआईआर से जुड़े फैसलों और आदेशों पर कम से कम 14 बार आधिकारिक तौर पर आपत्ति जताई थी। उनका कहना था कि ये फैसले और आदेश उनकी जानकारी या सिफारिश के बिना जारी किए गए थे। सोमवार को याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, "उनसे सर्वसम्मति से फैसले लेने की उम्मीद की जाती है... अगर सर्वसम्मति नहीं बनती है, तो फैसला बहुमत से होना चाहिए। आज आप सिर्फ एक न्यूज रिपोर्ट के आधार पर बात कर रहे हैं।"

विमान हमले की साजिश

पायलट को मारकर विमान इजरायल में क्रैश करने की थी साजिश

नई दिल्ली,5 अक्टूबर। इजरायली मीडिया रिपोर्ट्स और इतालवी अखबार कोरिएरे डेला सेरा की जांच के अनुसार, अगर यह हमला न टलता तो 2001 के 9/11 हमले की तर्ज पर इजरायल में एक भीषण तबाही मच सकती थी। फ्लाईडुबाई की उड़ान FZ1073 के कॉकपिट में भारतीय कैप्टन पर जानलेवा हमला करने वाले ओमानी को-पायलट हम्माम अल-हम्मामी को लेकर कई बेहद सनसनीखेज खुलासे सामने आए हैं। यूएई में चल रही पृष्ठताछ में आरोपी ने कबूल किया है कि उसकी योजना कैप्टन स्मित मच्छार को रास्ते से हटाकर विमान को सामान्य रूप से उड़ा देने और फिर इजरायल के बेन गुरियन इंटरनेशनल एयरपोर्ट की किसी इमारत या विमान में सीधे क्रैश करने की थी। इजरायली मीडिया रिपोर्ट्स और इतालवी अखबार कोरिएरे डेला सेरा की जांच के अनुसार, अगर यह हमला न टलता तो 2001 के 9/11 हमले की तर्ज पर इजरायल में एक भीषण तबाही मच सकती थी। यूएई और सऊदी अरब की



पृष्ठताछ एजेंसियों की ओर से इजरायल को इस मामले की जानकारी साझा की गई है। फ्लाईडुबाई को ही क्यों चुना? चैनल 13 से बातचीत के ब्योरे में हम्माम ने बताया, "मैंने रिसर्च किया कि कौन सी एयरलाइन सीधे तेल अवीव उड़ान भरती है। इसीलिए मैंने फ्लाईडुबाई को चुना, मैंने एयरलाइन में भर्ती होने से पहले ही इस हमले की साजिश रच ली थी।" वह पिछले कुछ महीनों में कई बार फ्लाईडुबाई की फ्लाइट से बेन गुरियन एयरपोर्ट आ चुका था। जून में जब वह

इजरायल आया, तो उसका पूरा ध्यान खुफिया जानकारी जुटाने और हमले का नक्शा तैयार करने पर था। वह जुलाई में ही इस वारदात को अंजाम देने वाला था, लेकिन उस समय क्रू मेंबर में उसका एक करीबी दोस्त मौजूद था, जिसके कारण उसने ऐन वक्त पर इरादा टाल दिया था। इतालवी समाचार पत्र Corriere della Sera की तरफ से जारी टाइमलाइन के मुताबिक, उस दिन कॉकपिट में क्या-क्या हुआ। सुबह 9:15 बजे: हम्माम अल-हम्मामी ने नमाज पढ़ने के लिए ब्रेक मांगा और अचानक क्रैश-एक्स (कुल्हाड़ी) से भारतीय कैप्टन स्मित मच्छार के सिर पर हमला कर दिया। सुबह 9:20 बजे: यात्री ताली मानेस अपनी 5 साल की बेटी को टॉयलेट ले गईं, जहां उन्हें कॉकपिट से चीख-पुकार सुनाई दी। उन्होंने तुरंत बिजनेस क्लास में बैठे ऑफ-ड्यूटी पायलट को अलर्ट किया। कैप्टन स्मित ने अंदर से और ऑफ-ड्यूटी पायलट ने बाहर से हैंडल घुमाकर दरवाजा खोला। ताली चिल्लाई- "वह पायलट को मार रहा है।!"

चुनाव सुधार पर कांग्रेस का रुख

खड़गे ने गिनाई कांग्रेस की तीन मांगें

नई दिल्ली,5 अक्टूबर। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त का इस्तीफा, एसआईआर रद्द करना और बैलेट पेपर से चुनाव कराना पार्टी की प्रमुख मांगें हैं। इन मुद्दों पर कांग्रेस और इंडिया गठबंधन देशभर में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। इसके अलावा खड़गे ने दिल्ली में प्रदर्शन के दौरान महिला पत्रकारों के साथ हुई कथित बदसलूकी की भी निंदा की। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोमवार को कहा कि चुनावी प्रक्रिया को लेकर पार्टी की तीन मुख्य मांगें मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा, स्पेशल इंटेसिव रिविजन (एसआईआर) को रद्द करना और बैलेट पेपर से चुनाव कराना। ऐसी हैं जिन पर कोई समझौता नहीं हो सकता। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता और इंडिया गठबंधन के सहयोगी दल इन मांगों के समर्थन में पूरे देश में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। खड़गे ने लिखा कि कांग्रेस पार्टी की 3



मांगें ऐसी हैं जिन पर कोई समझौता नहीं हो सकता। पहली, ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा; दूसरी, एसआईआर को रद्द करना तीसरी, बैलेट पेपर से चुनाव कराना। इन तीन मुद्दों को लेकर पूरे देश में कांग्रेस कार्यकर्ता और इंडिया गठबंधन के सहयोगी दल सड़कों पर हैं। देश भर में अलग-अलग जगहों पर जो भी नागरिक समाज के सदस्य और युवा संगठन इन मुद्दों पर संघर्ष कर रहे हैं, हम उनके साथ खड़े हैं। खरो ने राजधानी में महिला पत्रकारों के साथ हुई एक कथित घटना पर

भी चिंता जताई और कहा, "दूसरी ओर, बीजेपी ने दिल्ली में महिला पत्रकारों को परेशान किया है, जो बहुत निंदनीय है। तानाशाह बहुत घबराया हुआ है; ध्यान भटकाने की चालों के एक और अध्याय के लिए तैयार हो जाइए।" कांग्रेस अध्यक्ष की ये बातें 3 अक्टूबर को राजधानी में 'ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन' (एआईएसए) और अन्य समूहों द्वारा मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ एसआईआर प्रक्रिया को लेकर किए गए विरोध प्रदर्शनों के संदर्भ में आई हैं। जंजर-मंतर के पास विरोध प्रदर्शन के दौरान, एआईएसए की अध्यक्ष नेहा बोरा और वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल व प्रशांत भूषण समेत कई प्रदर्शनकारियों ने पुलिस बैरिकेड्स तोड़ने की कोशिश की डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस (डीसीपी) नेहा यादव के अनुसार, प्रदर्शनकारियों की जगह खाली करने की चेतावनी दी गई थी क्योंकि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू थी, और बात न मानने पर उन्हें हिरासत में ले लिया गया।

विज्ञान-तकनीक और व्यापार में भारत-स्विट्जरलैंड सहयोग बढ़ाने पर जोर

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर। स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति गाइ परमेलिन ने अपनी तीन दिवसीय भारत यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। हैदराबाद हाउस में हुई बैठक में दोनों नेताओं ने व्यापार, निवेश, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, नवाचार और लोगों के बीच संपर्क समेत विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत करने पर चर्चा की। राष्ट्रपति परमेलिन ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से भी मुलाकात की। भारत पहुंचने के बाद राष्ट्रपति परमेलिन ने राजघाट जाकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद राष्ट्रपति भवन में उनका औपचारिक स्वागत किया गया। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी स्विस् राष्ट्रपति से मुलाकात की। जयशंकर ने भारत-

ईएफटीए व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौते (TEPA) के जरिए दोनों देशों के संबंधों को और मजबूत करने पर जोर दिया। राष्ट्रपति परमेलिन ने कहा कि उनकी भारत यात्रा दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे करीबी संबंधों को और मजबूत करने का महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने कहा कि भारत और स्विट्जरलैंड के रिश्ते साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, विश्वास और आपसी सम्मान पर आधारित हैं। उन्होंने भारत-ईएफटीए समझौते के लागू होने की पहली वर्षगांठ की भी महत्वपूर्ण बताया भारत और यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (EFTA) के सदस्य देशों- स्विट्जरलैंड, आइसलैंड, लिक्टेन्स्टीन और नॉर्वे-के बीच TEPA पर 10 मार्च 2024 को हस्ताक्षर हुए थे।

हाईवा की चपेट में आने से नाबालिग की मौके पर मौत, दो घायल

अभनपुर

मंडी रोड के पास सोमवार को हाईवा को ओवरटेक करने के दौरान एक्टिवा सवार तीन नाबालिग दुर्घटना का शिकार हो गए। तीनों एक ही एक्टिवा पर बिना हेलमेट ट्रिपलिंग कर रहे थे। हादसे में 16 वर्षीय कृष्ण कुमार साहू की मौत हो गई, जबकि उसके साथ सवार दो अन्य नाबालिग घायल हो गए। तीनों बकतरा सिंचाई कालोनी के रहने वाले बताए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि तीनों नाबालिग एक्टिवा से मंडी रोड की ओर जा रहे थे। इसी दौरान उन्होंने आगे चल रहे हाईवा को ओवरटेक करने की कोशिश की। इसी दौरान एक्टिवा अनियंत्रित होकर हाईवा की चपेट में आ गई। टक्कर के बाद कृष्ण कुमार साहू हाईवा के पहिए की



चपेट में आ गया। गंभीर चोट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों ने

निवासी बताए जा रहे हैं। घटना की सूचना मिलते ही अभनपुर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने हाईवा को जब्त कर थाने में खड़ा करा दिया है। हादसे के बाद चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। प्रारंभिक जानकारी में हाईवा को ओवरटेक करने के दौरान हादसा होने की बात सामने आई है। वहीं, एक ही एक्टिवा पर बिना हेलमेट तीन नाबालिग के सवार होने की बात भी सामने आई है। दुर्घटना की पूरी परिस्थिति और लापरवाही किसकी थी, इसका पता पुलिस की जांच के बाद चलेगा। अभनपुर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

न्यायालय पर पूरा भरोसा पर सरकार पर नहीं: यादव

रायपुर,5 अक्टूबर। कथित कोयला घोटाला में आज आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (EOW) की स्पेशल कोर्ट में आरोपियों की पेशी है। सुनवाई के लिए आरोपी बनाए गए कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव, पूर्व विधायक चन्द्रदेव राय और कांग्रेस नेता विनोद तिवारी कोर्ट पहुंचे। मामले में ACB-EOW ने 9 आरोपियों को समन जारी किया था। मामले में आज अंतिम चालान पेश किए

शामिल होने के बाद उनका नाम ही गायब हो गया. ये बीजेपी की स्क्रीम है, बीजेपी में शामिल होने के बाद मामले खत्म हो जाने का यह जीता-जागता उदाहरण है. छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित कोल लेवी प्रकरण साल 2020 से 2022 के दौरान कोयला परिवहन पर लगाया गया अवैध शुल्क था. जांच एजेंसियों के अनुसार, राज्य में ऑनलाइन ई-परमिट प्रणाली में बदलाव कर मैन्युअल अनापत्ति प्रमाण पत्र



जाने की संभावना है. कोर्ट पहुंचने के दौरान विधायक देवेंद्र यादव ने प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें न्यायालय पर पूरा भरोसा है, लेकिन प्रदेश की सरकार पर न तो जनता को भरोसा है, और न ही उन्हें. लंबे समय की जांच के बाद अब चार्जशीट पेश की जा रही है. उन्होंने सरकार को कुशासन की सरकार बताते हुए कहा कि वे कांग्रेस और राहुल गांधी के सिपाही हैं, और अपनी लड़ाई जारी रखेंगे. जेल की सलाखें भी पहले उनका हीसला नहीं तोड़ पाईं, ऐसे में यह षड्यंत्र उनका हीसला क्या तोड़ेगा. चिंतामणि को लेकर बीजेपी पर साधा निशाना-वहीं चिंतामणि महाराज को लेकर भी देवेंद्र यादव ने बीजेपी पर निशाना साधा. उन्होंने आरोप लगाया कि जांच की शुरुआत में चिंतामणि महाराज का नाम FIR में प्रमुखता से था, लेकिन बीजेपी में व्यवस्था लागू की गई थी. इसके तहत खदान से कोयला निकालने और उसके संचारु परिवहन के एवज में प्रति टन 25 रुपए की दर से अवैध वसूली (कोल लेवी) करने का एक समानांतर सिंडिकेट खड़ा किया गया था. इस प्रक्रिया से प्रतिदिन करोड़ों रुपये की काली कमाई जुटाई जाती थी, जिसका एक बड़ा हिस्सा अधिकारियों, बिचौलियों और राजनीतिक संरक्षण देने वाले व्यक्तियों के बीच नियमित रूप से वितरित किया जाता था. 500 करोड़ रुपए से अधिक की काली कमाई- जांच एजेंसियों के अनुसार, वर्ष 2020 से 2022 के दौरान प्रति टन 25 रुपए की अवैध लेवी वसूली के जरिए लगभग 500 से 540 करोड़ रुपये से अधिक की अवैध राशि एकात्रित किए जाने का अनुमान लगाया गया है. जांच रिपोर्टों में यह दावा किया गया है

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ‘सबके लिए आवास’ के संकल्प को छत्तीसगढ़ पूरी प्रतिबद्धता से कर रहा साकार :विष्णु देव साय

जमीन से लेकर किफायती घर तक प्रभावी व्यवस्था खड़ी करने के प्रयासों को मिला सम्मान : अरुण साव

रायपुर 5 अक्टूबर.आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS) और निम्न आय वर्ग (LIG) के परिवारों को किफायती एवं सम्मानजनक आवास उपलब्ध कराने की दिशा में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा किए जा रहे नवाचारों और प्रभावी कार्यप्रणाली को राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी पहचान मिली है। ईडब्ल्यूएस-एलआईजी वर्ग के लिए भूमि आरक्षण तथा एएचपी (Affordable Housing in Partnership) के माध्यम से आवास उपलब्ध कराने की उत्कृष्ट कार्यप्रणाली (Best Practice) के लिए भारत सरकार के आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय ने छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत किया है। विश्व पर्यावास दिवस के अवसर पर आज नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में केंद्रीय आवासन और शहरी

कार्य राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने छत्तीसगढ़ को यह पुरस्कार प्रदान किया। राज्य की ओर से नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोममणि बोरा तथा राज्य शहरी विकास अभिकरण (SUDA) के मुख्य कार्यपालन अधिकारी-सह-राज्य मिशन संचालक, प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) श्री सुमित अग्रवाल ने सम्मान ग्रहण किया। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार शहरी क्षेत्रों में आर्थिक रूप से कमजोर और निम्न आय वर्ग के परिवारों के लिए आवास की उपलब्धता बढ़ाने के साथ ही उन्हें बेहतर नागरिक सुविधाओं से युक्त सम्मानजनक जीवन प्रदान करने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। उप मुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव के मार्गदर्शन



में विभाग द्वारा आवासीय परियोजनाओं की स्वीकृति, भूमि की उपलब्धता, निर्माण की गुणवत्ता और समयबद्ध पूर्णता तक प्रत्येक स्तर पर प्रभावी निगरानी की जा रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इस राष्ट्रीय उपलब्धि के लिए नगरीय

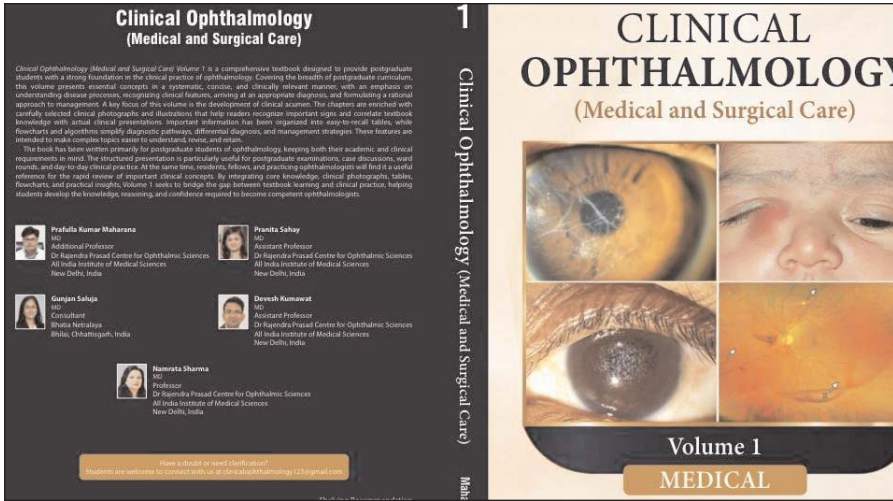
प्रशासन एवं विकास विभाग, SUDA तथा नगरीय निकायों की पूरी टीम को बधाई दी है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) में छत्तीसगढ़ की कार्यप्रणाली को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान मिलना पूरे प्रदेश के लिए

गौरव का विषय है। आर्थिक रूप से कमजोर और निम्न आय वर्ग के परिवारों के लिए भूमि आरक्षण तथा एएचपी के माध्यम से किफायती आवास उपलब्ध कराने की हमारी पहल को मिली यह पहचान राज्य सरकार की जनकल्याण के प्रति प्रतिबद्धता और परिणामोन्मुख कार्यशैली का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की 'सबके लिए आवास' के संकल्प को छत्तीसगढ़ पूरी प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ा रहा है। पक्का घर केवल चार दीवारों और छत नहीं, बल्कि एक परिवार की सुरक्षा, सम्मान और बेहतर भविष्य का आधार है। राज्य सरकार का प्रयास है कि प्रदेश का कोई भी पात्र परिवार पक्के आवास से वंचित न रहे और जरूरतमंद परिवारों को मूलभूत सुविधाओं से युक्त बेहतर आवास उपलब्ध हो।

पोस्टग्रेजुएट विद्यार्थियों के लिए नई पुस्तक क्लिनिकल ऑर्थैल्मोलॉजी का विमोचन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 5 अक्टूबर। नेत्र चिकित्सा के क्षेत्र में पोस्टग्रेजुएट विद्यार्थियों एवं प्रशिक्षणरत नेत्र रोग विशेषज्ञों के लिए एक महत्वपूर्ण अकादमिक पहल के रूप में क्लिनिकल ऑर्थैल्मोलॉजी, ए पोस्टग्रेजुएट ऑर्थैल्मोलॉजी टेक्स्टबुक पुस्तक का हाल ही में विमोचन किया गया है। इस पुस्तक के को-एडिटर के रूप में भिलाई की भाटिया नेत्रालय की वरिष्ठ चिकित्सिका एवं जानी-मानी ऑर्थैल्मोलॉजिस्ट डॉ. गुंजन सलूजा जुड़ी हुयी हैं। डॉ. गुंजन सलूजा प्रख्यात अंतरराष्ट्रीय नेत्र विशेषज्ञ डॉ प्रियव्रत भाटिया की पत्नी एवं शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ जी. भाटिया व सेक्टर-9 हॉस्पिटल में नेत्र विभाग की विभागाध्यक्ष रहें डॉ. कीर्ति भाटिया की पुत्रवधू हैं। बताया गया कि यह पुस्तक विशेष रूप से एमडी-डीएनबी सहित पोस्ट ग्रेजुएट नेत्र चिकित्सा विद्यार्थियों, प्रशिक्षणरत चिकित्सकों एवं युवा नेत्र रोग विशेषज्ञों की शैक्षणिक एवं व्यावहारिक



आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। पुस्तक में नेत्र चिकित्सा से संबंधित क्लिनिकल नॉलेज,

महत्वपूर्ण अवधारणाओं तथा रोगों के निदान एवं उपचार की व्यावहारिक दृष्टिकोण को समग्र रूप से प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है। पुस्तक की विशेषता यह है कि इसमें केवल सैद्धांतिक ज्ञान तक सीमित रहने के बजाय क्लिनिकल प्रैक्टिस में उपयोगी दृष्टिकोण को प्रमुखता दी गई है। इससे विद्यार्थियों को रोगों के परीक्षण, क्लिनिकल निर्णय लेने, विभिन्न नेत्र रोगों को समझने तथा उपचार की व्यावहारिक प्रक्रिया को बेहतर ढंग से समझने में सहायता मिल सकेगी।

पुस्तक के को-एडिटर डॉ गुंजन सलूजा ने कहा कि इस महत्वपूर्ण अकादमिक प्रयास से जुड़ना उनके लिए सम्मान और प्रसन्नता का विषय है। उन्होंने उम्मीद जताई कि क्लिनिकल ऑर्थैल्मोलॉजी आने वाली पीढ़ी के नेत्र चिकित्सकों के लिए एक उपयोगी और विश्वसनीय अध्ययन-सहायक साबित होगी। चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में लगातार बदलती तकनीक, नवीन उपचार पद्धतियों और आधुनिक क्लिनिकल प्रैक्टिस के बीच ऐसी पुस्तकों की भूमिका महत्वपूर्ण है।



ग्राम सांकरा में मनाया गया पुरखा के सुरता मानस संगोष्ठी एवं पितर मानस महोत्सव

उतई,5 अक्टूबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। मानस शक्ति केंद्र ऋमांक 3 पाहद, अमलेश्वर के अंतर्गत ग्राम सांकरा में पुरखा के सुरता मानस संगोष्ठी एवं पितर मानस महोत्सव- का आयोजन श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दुर्ग जिला पंचायत सभापति श्रीमती नीलम चंद्रकार एवं सरपंच रवि सिंगौर द्वारा दीप प्रज्वलित कर एवं पितर देव का स्मरण करते हुए किया गया।कार्यक्रम में उपस्थित श्रद्धालुओं ने अपने पुरखों एवं पितरों को नमन करते हुए उनके संस्कारों, परंपराओं और जीवन मूल्यों को याद किया। मानस संगोष्ठी के माध्यम से धर्म, संस्कृति एवं सामाजिक एकता का संदेश भी दिया गया।इस अवसर पर राजेश चंद्रकार सांसद प्रतिनिधि, उद्यो सिंह जंधेल, चेतन देवांगन, पूर्व जनपद सदस्य टीकाराम साहू, बसंत सिंगौर, लक्ष्मी सिंगौर, मोती पटेल, तुलाराम सिंगौर, कामता सिंगौर, कमलेश सिंगौर, टीकम सिंगौर, उग्रसेन सिंगौर सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।कार्यक्रम में पितरों के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए उनकी स्मृति और संस्कारों को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया।

शिविर में कबीर के दोहों के माध्यम से जीवन को परमार्थ के कार्यों में समर्पित करने की प्रेरणा दी



■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 5 अक्टूबर। कबीर पारख निकेतन कहलागांव जिला भगलपुर बिहार के संस्थापक एवं संरक्षक संत अभय साहेब के मार्गदर्शन और निदेशन में आयोजित पांच दिवसीय ध्यान-साधना शिविर में समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने भाग लिया। शिविर के पांचों दिनों में सत्संग एवं प्रवचन के माध्यम से संत अभय साहेब ने सदुर कबीर साहेब के दोहों के माध्यम से जीवन को सद्गर्ग पर चलाने और परमार्थ के कार्यों में स्वयं को समर्पित करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि मनुष्य को सांसारिक जीवन में रहते हुए परिवार और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन सहयोग

एवं सद्भाव के साथ करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जीवन में भटकाव से बचने के लिए सदुर की शरण आवश्यक है। सदुर न केवल जीवन जीने की सही राह दिखाते हैं, बल्कि सांसारिक बंधनों से मुक्ति का मार्ग भी प्रशस्त करते हैं। उनके प्रेरक उद्बोधन को आत्मसात करने छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों के साथ ही अन्य राज्यों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु शिविर में पहुंचे। कार्यक्रम के अंतिम दिन बाल संस्कार शिविर का भी आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में बच्चों ने सहभागिता की। इस दौरान बच्चों को संस्कार, सत्चार और जीवन मूल्यों से जुड़े संदेश दिए गए। यह जानकारी आश्रम के मीडिया प्रभारी डॉ. दीनदयाल साहू ने दी।

सड़क हादसे रोकने पुलिस अभियान चला रही

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 5 अक्टूबर। भिलाई सड़क हादसों को लेकर यातायात पुलिस विशेष अभियान चलाकर ब्लैक स्पॉट, ग्रे स्पॉट से लेकर हाईवे तक लगातार निगरानी, शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर शिकंजा कसने का प्रयास किया जा रहा है ब्लैक स्पॉट एवं ग्रे स्पॉट पर विशेष निगरानी हादसों संभावित स्थानों पर समयानुसार वाहन चेकिंग, पेट्रोलिंग की जा रही है? अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (यातायात) कोशलेंद्र देव पटेल ने बताया कि यातायात पुलिस अलग अलग 10 स्थानो पर



फक्सि पॉइंट लगाकर ई चालान की

कारंवाई की जा रही है हाईवे पर खड़े वाहनों के खिलाफ कारंवाई हाईवे पेट्रोलिंग द्वारा लातातर गश्त कर सड़क पर खड़े खराब, लापरवाहीपूर्वक पार्क किए गए वाहनों को सुरक्षित स्थान पर हटाया जा रहा है शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर रात के समय विशेष चेकिंग पॉइंट लगाकर नशे में वाहन चलाने वाले चालकों की जांच कारंवाई की जा रही है। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में हादसा संभावित स्थानों पर फोकस सड़क हादसों के कारणाों का चर्चिनांकन कर लगातार निगरानी कारंवाई की जा रही है। ट्रैफिक पुलिस दुर्ग द्वारा जिले में सड़क हादसों को रोकने सड़क सुरक्षा को मजबूत करने के उद्देश्य से विशेष प्रयास किया ट्रैफिक पुलिस हादसों संभावित क्षेत्रों की पहचान कर विशेष निगरानी, वाहन चेकिंग पेट्रोलिंग की जा रही है जिले के ब्लैक स्पॉट, ग्रे स्पॉट, शहरी ग्रामीण क्षेत्रों के दुर्घटना संभावित स्थानों हाईवे पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है शराब पीकर वाहन चलाने वाले चालकों पर अंकुश लगाने के लिए रात्रिकालीन विशेष चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है हादसों के संभावित एवं संवेदनशील स्थानों पर विशेष चेकिंग पॉइंट लगाया गया है ।

एक नजर



अवैध शराब सहित दो गिरफ्तार

भिलाई 5 अक्टूबर (तछसं.)। भिलाई स्मृति नगर चौकी प्रभारी अमित आनंद ने बताया कि पुलिस को मुखबिबर से सूचना मिली कि दो व्यक्ति काले रंग की ह्रीरो स्प्लेंडर मोटर साइकिल से अवैध शराब लेकर बिक्री के लिए स्टील कॉलोनी, स्मृतिनगर की ओर जा रहे हैं सूचना पर स्मृतिनगर चौकी पुलिस टीम कारंवाई करते हुए कब्रिस्तान के पास स्टील कॉलोनी स्मृतिनगर में घेराबंदी कर दोनों आरोपियों को चतुर्भुज बघेल (35 साल) निवासी रायपुरनका चर्च के पास दुर्ग व श्यामल साव (55 साल) निवासी आदित्य नगर दुर्ग को पकड़ा तलाशी के दौरान आरोपियों के कब्जे से विभिन्न प्रकार की देशी एवं अंग्रेजी शराब कुल 6.480 प्रकर की लीटर, कीमत 3,360 बरामद की गई है ।

सोने का लॉकेट छीनने वाले गिरफ्तार



भिलाई 5 अक्टूबर (तछसं.)। दुर्ग पघनाभपुर थाना क्षेत्र में धनोरा में मोटर साइकिल सवार दूध विक्रेता से सोने का लॉकेट झपटने वाले दो आरोपी को पघनाभपुर थाने पुलिस ने गिरफ्तार किया है आरोपियों के पास से मोटर साइकिल सहित लॉकेट बरामद किया गया है दोनों आरोपियों को गिरफ्तार का न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है पघनाभपुर टीआई राजेश मिश्रा ने बताया कि 30 सितंबर को धनोरा स्थित द मार्क होटल के पास हुई सोने के लॉकेट की झपट मारी के मामले में पुलिस ने त्वरित कारंवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। प्राथी वीर सिंह निवासी गोवर्धन चौक नेवई ने शिकायत दर्ज कराई थी कि वह अपनी मोटर साइकिल से धनोरा क्षेत्र में दूध बांटने आया हुआ था दूध बांटने के बाद वापस अपने घर जा रहा था इसी दौरान द मार्क होटल धनोरा के पास दो व्यक्ति मोटर साइकिल से मिले एक व्यक्ति प्राथी की मोटर साइकिल पर पीछे बैठ गया था कुछ दूर जाने के बाद पीछे बैठे व्यक्ति ने प्राथी के गले में पहले सोने के लॉकेट को झपट लिया और वहां से दोनों आरोपी फरार हो गए थे पुलिस ने सदैव के आधार पर राहुल सोनी निवासी गंजपारा को हिरासत में लेकर पूछताछ की उसने अपने सहयोगी रोहित उर्फ रोहन नागेश निवासी गंजपारा उकल कॉलोनी दुर्ग के साथ मिलकर घटना अंजाम देना स्वीकार किया।

राशन दुकान में रटाक कम मिलने पर कारंवाई

भिलाई 5 अक्टूबर (तछसं.)। दुर्ग शासकीय उचित मूल्य दुकान में कुल मात्रा से चावल, शर्कर एवं नमक की कमी पाई जाने पर दुकान संचालक पर अपराध पंजीबद्ध किया गया है खाद्य अधिकारी टेकेश्वर की शिकायत पर मोहन नगर थाने पुलिस ने संचालक मोहम्मद यासीन के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3 व 7 के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है मोहन नगर पुलिस ने बताया कि प्राथी ने शिकायत दर्ज कराई है कि शासकीय उचित मूल्य दुकान की जांच करने पर कुल मात्रा से दुकान में 994.12 किंटल चावल 2.05 किंटल शर्कर एवं 13.70 किंटल नमक कम पाया गया है दुकान संचालक में अनियमितता पाए जाने पर जिला खाद्य कार्यालय दुर्ग में प्रकरण पंजीबद्ध कर भौतिक सत्यापन किया गया शिकायत के बाद पुलिस मामले की जांच कर रही है ।

आपसी विवाद में चाकू से हमला

भिलाई 5 अक्टूबर (तछसं.)। भिलाई नेवई थाना क्षेत्र में रिसाली के बड़ा दशहरा मैदान में रात के समय युवक विवाद को लेकर दो गुटों के बीच कहासुनी बढ्कर मारपीट में बदल गई नेवई पुलिस ने बताया कि विवाद के दौरान एक युवक के साथी ने प्रहान मिश्रा पर धारदार चाकू से हमला किया बचने की कोशिश में चाकू उनकी दाईं जांघ में लगा गया।

जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए उन्हें बीएम शाह अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया है शिकायतकर्ता ने बताया कि वह अपने दो भाइयों के साथ मैदान पहुंचे थे, जहां वेदांत राव और अंश सिंह सहित अन्य युवक मौजूद थे। बातचीत के दौरान गाली-गलौज शुरू हुई और फिर हाथापाई होने लगी आरोपियों ने चाकू मार दिया

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

उतई, 5 अक्टूबर। जिला कार्यक्रम अधिकारी अशोक पाण्डेय के मार्गदर्शन में तथा जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी श्री अजय कुमार साहू,परियोजना अधिकारी श्रीमती ऊषा झा के मार्गदर्शन से संकल्प सेवा अभियान अंतर्गत आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम का आयोजन सेक्टर ननकड़ी परियोजना दुर्ग ग्रामीण के ग्राम बासीन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।

मुख्य अतिथि जिला पंचायत सभापति श्री जितेंद्र यादव, जनपद सदस्य श्रीमती पूर्णिमा वर्मा सरपंच श्रीमती चित्र रेखा साहू, उपसरपंच श्री तुकेश्वर देवांगन, पूर्व सरपंच श्री प्रमोद साहू एवं जेवरा मंडल के महामंत्री श्री सचिन राजपूत एवं सभी पंच गण की गरिमायम उपस्थिति में हुआ , इसमें



विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए महतारी वंदन योजना,, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की हितग्राही, द्वारा राशि के सदुपयोग की जानकारी दी गई, जिला पंचायत सभापति श्री जितेंद्र यादव द्वारा कार्यकर्ता सहयिका मितानिन के कार्य की सराहना करते हुए सभी को शासन की नींव कहा जो शासन के प्रमुख



तेलुगु महासंघम की बैठक में समाज की एकजुटता पर मंथन

भिलाई, 5 अक्टूबर। छत्तीसगढ़ तेलुगु महासंघम की बैठक रविवार को आयोजित की गई। इस दौरान समाज की एकजुटता, सामाजिक विकास, संगठन को मजबूत करने तथा समाज हित से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। तेलुगु कल्याण समिति के अध्यक्ष अप्पाराव ने कहा कि सामाजिक एकता के साथ-साथ युवा पीढ़ी को समाज की संस्कृति, परंपरा और मूल्यों से जोड़ना भी महत्वपूर्ण है। समाज के विकास के लिए सभी को मिलकर सकारात्मक दिशा में कार्य करना चाहिए।

मातृशक्ति का सम्मान और बच्चों का सर्वांगीण विकास ही सशक्त समाज की नींव: कीर्ति नायक

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 5 अक्टूबर। ग्राम पंचायत खम्हरिया (कु.) में सेवा संकल्प अभियान के तहत महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आंगन मिलन समारोह का आयोजन किया गया। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में जनपद पंचायत पाटन की अध्यक्ष श्रीमती कीर्ति नायक मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्रीमती कीर्ति नायक ने कहा कि मातृशक्ति का सम्मान और बच्चों का सर्वांगीण विकास ही सशक्त समाज की नींव है। महिलाएं परिवार की शक्ति और समाज की आधारशिला हैं। महिलाओं के जागरूक एवं आत्मनिर्भर होने से परिवार मजबूत होता है और समाज विकास की दिशा में आगे बढ़ता है। उन्होंने बच्चों को बेहतर पोषण, शिक्षा और संस्कार देने को समाज की सामूहिक जिम्मेदारी बताया। उन्होंने कहा कि आंगनवाड़ी केंद्र ग्रामीण क्षेत्रों में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, पोषण और प्रारंभिक शिक्षा की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। शासन की



योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र परिवार तक पहुंचे, इसके लिए जनजागरूकता जरूरी है। उन्होंने महिलाओं से अपने और बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण एवं स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने की अपील की।

समारोह में गर्भवती महिलाओं की पारंपरिक विधि-विधान से गोद भराई तथा नन्हे बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार कराया गया। इस दौरान बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। महिलाओं एवं बच्चों के लिए

विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं। प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं और बच्चों की बड़ी संख्या में सहभागिता रही। श्रीमती नायक ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम महिलाओं को एक नन्हे बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार कराया गया, पारिवारिक संस्कार और सामुदायिक सहभागिता को मजबूत करते हैं। इस अवसर पर पूर्व जनपद सदस्य

घनश्याम कौशिक, थानेश्वर यादव, ग्राम पंचायत सरपंच सोनिया यादव, उपसरपंच मनोज देशलहरे, सुरेश यादव, ओमकार कौशिक, ग्राम पंचायत सचिव दशमंत सोनवानी, पर्यवेक्षक रानी साहू, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता लक्ष्मी सिंगौर, लता कौशिक, आशा ठाकुर, सविता ठाकुर, अंजु विश्वकर्मा, रुमणी तुकाने, अनीता टंडन, मोनाक्षी कामंडे, रोजगार सहायक, पंचांगन सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं एवं लाभार्थी उपस्थित रहे।

जय हनुमान सेवा समिति की बैठक में प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव पर चर्चा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 5 अक्टूबर। जय हनुमान सेवा समिति कोडका की 68वीं मासिक बैठक रविवार को संपन्न हुई। परंपरानुसार हनुमान चालीसा पाठ एवं महावीर हनुमान जी की सूक्ष्म उपस्थिति का स्मरण करते हुए बैठक का शुभारंभ किया गया। बैठक में मंदिर निर्माण की प्रगति, आगामी प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव तथा विभिन्न व्यवस्थाओं को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। समिति अध्यक्ष अमरेंद्र नाथ शर्मा ने बैठक में सदस्यों की बढ़ती उपस्थिति पर प्रसन्नता व्यक्त की। इस अवसर पर नव आगंतुक भक्तों का गमछ पहनाकर स्वागत किया गया। उन्होंने सनातन धर्म के कार्यों में जनभागीदारी और जनबल की आवश्यकता पर जोर दिया। बैठक में आर्य



समाज के प्रदेश अध्यक्ष रामनिवास गुप्ता, भाजपा नेता शारदा प्रसाद गुप्ता तथा समाजसेवी बसंत शुक्ला, बसंत भारती, सुनील गुप्ता एवं मोहन

प्रजापति का सम्मान किया गया। मंदिर निर्माण कार्य पूर्ण होने के पश्चात 19 जनवरी से 23 जनवरी 2027 तक पांच दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा

महोत्सव आयोजित करने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। नवनिर्मित पांच मंदिरों में बाबा यज्ञेश्वर महादेव सपरिवार, श्री राम दरबार सपरिवार, श्री राधे-कृष्ण, मां शारदा देवी तथा श्री लक्ष्मी नारायण की प्रतिमाओं की स्थापना की जाएगी। समिति के अनुसार प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के आयोजन में लगभग 10 लाख रुपये व्यय होने का अनुमान है। मंदिर के शेष निर्माण कार्यों के लिए भी सदस्यों एवं श्रद्धालुओं ने सहयोग की घोषणा की। फॉल सीलिंग के लिए 26 हजार रुपये का सहयोग विजय बहादुर सिंह द्वारा एल्युमिनियम वर्क के लिए 30 हजार रुपये रायमनिवास गुप्ता द्वारा प्रदान किए गए। इलेक्ट्रिकल कार्य का दाहिबल मनीष गौर ने लिया है। शेड निर्माण के लिए गुप्त दान से 50 हजार रुपये, शारदा प्रसाद गुप्ता ने 11 हजार रुपये

तथा सुनील गुप्ता ने 5 हजार रुपये सहयोग दिया। वहीं पेंटिंग कार्य के लिए 40 हजार रुपये की आवश्यकता बताई गई, जिसके लिए सहयोग का अपील की गई। प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के प्रचार-प्रसार के लिए बैनर, पोस्टर, फ्लेक्स, रसीद बुक, आमंत्रण पत्र एवं पंपलेट छपावकर घर-घर वितरण करने का निर्णय लिया गया। इसके साथ ही प्रत्येक घर से एक मुड़ी चावल संग्रह करने, कलश यात्रा के लिए 200 साड़ियों की व्यवस्था करने तथा आँटी वाहनों में प्रचारात्मक स्टीकर लगाने का सुझाव दिया गया। बैठक में संरक्षक नागेन्द्र मिश्रा, बी.जे. आनंद, उपाध्यक्ष उमाशंकर प्रजापति, कोषाध्यक्ष बसंत राय सहित सभी सदस्यों ने मंदिर एवं प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को सफल बनाने के लिए तन-मन-धन से सहयोग करने का संकल्प लिया।

एक

नजर

पूर्व पार्षद भोला राम मिश्रकर

पंवतत्व में विलीन

राजनांदगांव 5 अक्टूबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। स्थानीय लोहार पारा निवासी स्वामी विवेकानंद वार्ड के पूर्व पार्षद भोला राम मिश्रकर का अंतिम संस्कार आज लखौली नाला स्थित मुक्ति धाम में किया गया। मुखामि उनके पुत्र मनोज मिश्रकर ने दी। मुक्ति धाम के सभागार में आयोजित शोक सभा को संबोधित करते हुए शहर के प्रथम नागरिक श्री मधुसूदन यादव ने कहा कि श्री मिश्रकर ने पार्षद के रूप में अपनी सेवाएं देते हुए राजनांदगांव नगर निगम एवं वार्डवासियों के मुख्य सरल एवं सहज व्यक्तित्व के रूप में पहचान बनाई थी। उनके निधन से हमें अपूरणीय क्षति हुई है। अंतिम यात्रा में प्रमुख रूप से वरिष्ठ पार्षद एवं पूर्व निगम अध्यक्ष शिव वर्मा, पार्षद अमित कुशवाहा, पूर्व पार्षद गप्पू सोनकर, हीरालाल निर्मलकर, पार्षद प्रतिनिधि संतोष निर्मलकर, अरुण दामले,राजेश बिसने, लेखेंद्र साहू सहित क्षेत्र के नागरिक एवं दूर दराज से आए सगे संबंधी बड़ी संख्या में शामिल हुए। शोक सभा के दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों ने भोला राम मिश्रकर को श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके योगदान को स्मरण किया।

भाजपा के अपने नेता ही उठा रहे सड़क निर्माण में भ्रष्टाचार पर सवाल : मदन साहू

राजनांदगांव 5 अक्टूबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिला किसान कांग्रेस अध्यक्ष मदन साहू ने जिले में सड़कों की बदहाल स्थिति और लोक निर्माण विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि डोंगरगांव क्षेत्र में भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष भरत वर्मा द्वारा सड़क निर्माण में कथित अनियमितताओं को लेकर शिकायत किया जाना इस बात का संकेत है कि अब सत्तारूढ़ दल के भीतर से भी व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं। हाल ही में डोंगरगांव की आधुरी सड़क परियोजना को लेकर भरत वर्मा की ओर से कलेक्टर को शिकायत किए जाने की खबर भी सामने आई है। श्री साहू ने आरोप लगाया कि राजनांदगांव से खैरागढ़, राजनांदगांव से डोंगरगांव और तुमड़ीबोड़ क्षेत्र की सड़कों सहित लोक निर्माण विभाग, मुख्यमंत्री सड़क और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बनी कई सड़कों की स्थिति संतोषजनक नहीं है। उन्का कहना है कि जिन सड़कों पर मरम्मत कार्य कराया जा रहा है उनमें भी स्थायी सुधार के बजाय महज खानापूती किए जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण और मरम्मत कार्यों में गुणवत्ता की जांच तथा जिम्मेदारी तय किए बिना केवल काम पूरा दिखा देना जनता के साथ न्याय नहीं है। श्री साहू ने सवाल उठाया कि यदि सड़कों के निर्माण में सब कुछ ठीक है तो फिर सत्तारूढ़ दल से जुड़े नेता ही संबंधित विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल क्यों उठा रहे हैं।

नवसाल प्रभावित रहे पहाड़ी तरांदुल में पहली बार पहुंची सोनोगाफी सुविधा

काकिर,5 अक्टूबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। कभी माओवादी गतिविधियों से प्रभावित और दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र के रूप में पहचाने जाने वाले भानुप्रतापुर विकासखंड के ग्राम तरांदुल में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की नई तस्वीर देखने को मिली। सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित सेवा सेतु सह मेगा स्वास्थ्य शिविर में पहली बार इस पहाड़ी एवं सुदूर क्षेत्र में सोनोग्राफी मशीन पहुंचाकर गर्भवती महिलाओं की जांच की सुविधा उपलब्ध कराई गई। जिला प्रशासन की ओर से कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार की अभिनव पहल के तहत आयोजित इस शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों और आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं को सीधे ग्रामीणों तक पहुंचाया गया। प्रशासन के अनुसार, राज्य में पहाड़ी एवं इस तरह के सुदूर अंचल में सोनोग्राफी मशीन पहुंचाकर मौके पर जांच की सुविधा उपलब्ध कराने की यह एक महत्वपूर्ण एवं अभिनव पहल है।

कुष्ठ रोग उन्मूलन में चक्रधारी का योगदान सदैव स्मरणीय : डॉ. हुमने

गरियाबंद/कोपरा 5 अक्टूबर। स्वास्थ्य विभाग में 37 वर्षों से अधिक समय तक समर्पित सेवाएं देने के बाद अधिवाषिकी आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुए एनएमए दौला राम चक्रधारी को स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों, जनप्रतिनिधियों और न्यायालयियों ने भावभीनी विदाई दी। विदाई समारोह में उनके लंबे सेवाकाल, विशेषकर कुष्ठ रोग उन्मूलन के क्षेत्र में किए गए उल्लेखनीय कार्यों को याद करते हुए वक्तओं ने उनके योगदान की सगहना की और स्वस्थ, सुखी एवं दीर्घायु जीवन की कामना की।

खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. खैलहत हुमने ने कहा कि श्री चक्रधारी ने अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा, अनुशासन और जिम्मेदारी के साथ निर्वहन किया। कुष्ठ रोग उन्मूलन कार्यक्रम में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। मरीजों की पहचान, उन्हें उपचार से जोड़ने, नियमित स्वा लेने के लिए प्रेरित करने तथा कुष्ठ रोग को लेकर समाज में फैली प्रतियों को दूर करने में उन्होंने उल्लेखनीय योगदान दिया।

उन्होंने कहा कि श्री चक्रधारी केवल कर्तव्यनिष्ठ कर्मचारी ही नहीं, बल्कि सरल, सहज और सहयोगी व्यक्तित्व के धनी भी रहे। अपनी कार्यकुशलता और आत्मीय व्यवहार के कारण उनके सहकर्मियों के साथ आम लोगों के बीच भी विशेष पहचान बनाई। लेप्रोसी डायनोसिस में उनकी विशेष दक्षता थी और उनके द्वारा चिह्नित मामलों की सटीकता पर



विभाग को भरोसा रहता था।

डॉ. हुमने ने बताया कि 1990 के दशक में जब कुष्ठ रोग को लेकर समाज में अनेक भ्रांतिया थीं, तब श्री चक्रधारी और उनकी टीम ने गांव-गांव पहुंचकर लोगों को जागरूक किया और मरीजों को नियमित उपचार के लिए प्रेरित किया। उनकी टीम के प्रयासों के कारण भोिश्कर-राजिम क्षेत्र का नाम प्रदेश में कुष्ठ उन्मूलन के उल्लेखनीय कार्यों के लिए लिया जाता रहा है।

जन्मभूमि को ही बनाया कर्मभूमि : डॉ. हिरोंदिया : वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी एवं पूर्व खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. हिरोंदिया ने कहा कि श्री चक्रधारी ने 37 वर्षों से अधिक समय तक इसी क्षेत्र में सेवाएं दीं। उन्होंने कहा, +किस्मत वालों को ही यह सौभाग्य नसीब होता है कि उनकी जन्मभूमि ही उनकी कर्मभूमि बने। श्री चक्रधारी उनमें से एक हैं।

श्री चक्रधारी 12 दिसंबर 1988 से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कोपरा में पदस्थ रहे और 30 सितंबर 2026 को अधिवाषिकी आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुए। डॉ. हिरोंदिया ने उनके समर्पण और सेवाभाव को आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणादायी बताया।

सामाजिक कार्यों में भी रहा योगदान: नगर पंचायत अध्यक्ष रूप कुमार साहू ने कहा कि श्री चक्रधारी और उनका परिवार स्वास्थ्य सेवाओं के साथ सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय रहा है। सेवाभाव उनके व्यक्तित्व की विशेष पहचान रही। वरिष्ठ पत्रकार गोरैलाल सिन्हा ने भी उनके सेवाकाल और सामाजिक योगदान को याद करते हुए सेवानिवृत्ति पर शुभकामनाएं दीं।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कोपरा के आरएमओ डॉ. चंद्रा ने कहा कि सेवाकाल और अनुभव में वरिष्ठ होने के बावजूद श्री चक्रधारी

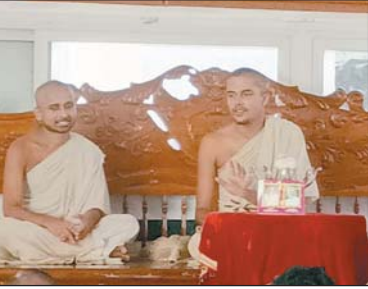
का व्यवहार हमेशा विनम्र और आत्मीय रहा। वे अस्पताल के कार्यों के साथ व्यक्तिगत स्तर पर भी सहयोग और मार्गदर्शन के लिए तत्पर रहते थे। उन्हें दी गई जिम्मेदारी को वे पूरी कार्यकुशलता और जिम्मेदारी से पूरा करते थे। उनकी कार्यशैली सभी के लिए अनुकरणीय रहेगी।

सेवाकाल को याद कर भावुक हुए चक्रधारी : विदाई समारोह में दौला राम चक्रधारी अपने 37 वर्षों से अधिक के सेवाकाल को याद करते हुए भावुक हो गए उन्होंने कहा कि कुछ और पोलियो जैसी बीमारियों से प्रभावित व्यक्ति और उसके परिवार की पीड़ा को समझना बेहद संवेदनशील विषय है। उन्होंने सेवाकाल में मरीजों को केवल रोगी के रूप में नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं के साथ देखने का प्रयास किया।

उन्होंने अपने एनएमए साथियों, वरिष्ठ अधिकारियों, सहकर्मियों और विशेष रूप से पत्नी सरोज चक्रधारी के सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि परिवार और सहकर्मियों के सहयोग ने उन्हें लंबे सेवाकाल में हर जिम्मेदारी को निष्ठा से निभाने की शक्ति दी।

सेवाकाल में कई उपलब्धियां: श्री चक्रधारी के सेवाकाल में कुष्ठ रोग उन्मूलन और स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े कई महत्वपूर्ण कार्य हुए। इनमें यूरोपियन कमिशन के प्रतिनिधिमंडल का क्षेत्र भ्रमण, तत्कालीन मध्यप्रदेश में एमडीटी (मल्टी ड्रा थेरोपी) के

है तो स्पीड बढ़नी होगी। किंतु निश्चित समय में ही आप उस चीज को प्राप्त कर सकेंगे। घर यदि नहीं है तो मिलने वाली चीज भी हाथ से निकल जाएगी। हमारे शरीर में 32 लक्षण होते हैं और यदि पूरे के पूरे लक्षण किसी में होते हैं तो वह उतम व्यक्ति होता है। उन्होंने कहा कि मांग कर कोई भी चीज मिलती है तो मजा नहीं आता और छोटापन लगता है, लेकिन वही चीज बिना मांगे मिल जाए तो मजा ही आ जाता है। चानुमांस समिति के संयोजक पीयूष बैद ने बताया कि जैन बगीचा स्थित नेम भवन में आज से गुरु इकतीसा का पाठ शुरू हो गया है। उन्होंने बताया कि नेम भवन में प्रतिदिन रात्रि 8:00 से 9:00 बजे तक गुरु इकतीसा का पाठ होगा।



धैर्य यदि नहीं है तो मिलने वाली चीज भी हाथ से निकल जाती है: श्रेयांशप्रभ जी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 5 अक्टूबर। धैर्य होना जरूरी है। धैर्य यदि नहीं है तो मिलने वाली चीज भी हाथ से निकल जाती है। यदि हम कुआं खोदते हैं और हमें 80 फीट में पानी का स्रोत मिलाने वाला है किंतु 60 फीट में ही हमारा धैर्य खो जाता है तो फिर हम पानी के स्रोत को नहीं पा सकते। उक्त उद्गार खरतर गच्छधिपति मणिप्रभ सागर जी के सुशिष्य श्रेयांशप्रभ सागर जी ने व्यक्त किए। मीडिया प्रभारी विमल हाजरा ने बताया कि जान वल्लभ उपाश्रय भवन में चल रहे चानुमांसिक प्रवचन की कड़ी में आज मुनि श्री श्रेयांशप्रभ सागर जी ने फरमाया कि हमारे मन में धीरज रहना चाहिए। धीरज ही तो समता है। इसलिए हमें हर परिस्थिति में धैर्यवान होना चाहिए। यदि कोई आपके धैर्य को तोड़ने का प्रयास करता है तो भी डटे रहिए, किसी भी हालत में धैर्य न खोयें। सब्र का फल मीठा होता है। भले ही फल मिलने में समय लगे लेकिन लाभ तो मिलेगा ही। जो सबके लिए करते हैं उन्हें ज्यादा फल मिलता है। मुनि श्री श्रेयांशप्रभ सागर जी ने कहा कि किसी भी चीज तक पहुंचने के लिए एक निश्चित समय लगता है। अगर जल्दी पहुंचना



हस्तांतरण के लिए किया जा रहा था। जांच में सामने आया कि आईसीआईसीआई बैंक के खातों के माध्यम से करीब ₹91,85,000 की संदिग्ध साइबर ठगी की राशि प्राप्त कर आगे भेजी गई।

मामले में थाना सिटी कोतवाली राजनांदगांव में अपराध क्रमांक 611/26 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा कुमार शाह एवं साइबर सेल प्रभारी निरीक्षक विनय पम्मार के नेतृत्व में मूल बैंक खातों की पहचान और उनके धाकों के विरुद्ध कार्रवाई के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

पुलिस के अनुसार, भारत सरकार के गृह मंत्रालय के भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र के समन्वय पोर्टल से प्राप्त जानकारी के आधार पर ऐसे बैंक खातों की पहचान की गई, जिनका उपयोग साइबर ठगी से प्राप्त रकम के लेन-देन और

प्रादेशिक



थी। मामले में थाना बसंतपुर में अपराध क्रमांक 432/2026, धारा 303(2) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई।

घटना की जांच के दौरान साइबर सेल और

प्रादेशिक

बसंतपुर पुलिस की टीम ने सीसीटीवी फुंज, तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर सूचना के आधार पर संदिग्ध देवाशीष गजेन्द्र को 3 अक्टूबर को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में उसने उक्त मोटरसाइकिल चोरी

प्रादेशिक

करने के साथ ही राजनांदगांव, दुर्ग और बालोद जिलों में मोटरसाइकिल चोरी की अन्य घटनाओं में सलिलता बताई।

आरोपी की निशानदेही पर कुल 7 चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद की गईं। जांच में यह भी सामने आया कि चोरी की तीन मोटरसाइकिलें आरोपी द्वारा शेख अमीन, निवासी तिप्पा, बिलासपुर को बेचने की बात सामने आई। पुलिस ने शेख अमीन को भी गिरफ्तार कर उसके कब्जे से तीन मोटरसाइकिलें बरामद कीं। वहीं देवाशीष गजेन्द्र के कब्जे से चार मोटरसाइकिलों के साथ दो फर्नी आरसी और एक फर्नी नंबर एल्ट जेब्त की गईं।

बरामद मोटरसाइकिलों में HF Delu&e, Passion Pro, Honda Shine और अन्य Honda मोटरसाइकिलें शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, इन वाहनों में राजनांदगांव के गौरव पथ, नया बस स्टैंड

प्रादेशिक

और कलेक्टोरेट परिसर के अलावा बालोद के अर्जुन्या थाना क्षेत्र तथा दुर्ग के भिलाई नगर क्षेत्र से चोरी की गई मोटरसाइकिलें शामिल हैं।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान देवाशीष गजेन्द्र (30), निवासी परसरतई, थाना अर्जुन्या, जिला बालोद और शेख अमीन (33), निवासी तिप्पा देवनगर, थाना सकरी, जिला बिलासपुर के रूप में हुई है। दोनों आरोपियों को 4 अक्टूबर 2026 को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

पुलिस के अनुसार, मामले में चोरी की संपत्ति और अन्य संभावित सलिल व्यक्तियों के संबंध में आगे की विवेचना जारी है। कार्रवाई पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा के निदेशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन तथा नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती वैशाली जैन और डीएसपी क्राइम श्री सत्यप्रकाश तिवारी के पर्यवेक्षण में की गई।

बोड़तरा सेवा सेतु शिविर मे एक छत के नीचे मिला अनेक शासकीय सेवाओं का लाभ

■ विभिन्न योजना अंतर्गत 3 हजार से अधिक हितग्राहियों को बांटे सामग्री व चेके

महतारी सदन एवं अटल डिजिटल सुविधा केन्द्र की मिली स्वीकृति

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार, 5 अक्टूबर। सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत शनिवार को भाटापारा विकासखंड के ग्राम बोड़तरा मे सेवा सेतु शिविर का आयोजन किया गया।रायपुर सांसद बुजमोहन ने जनप्रतिनिधियों के उपस्थिति मे विभिन्न योजनाओं के 3482 हितग्राहियों को सामग्री,चेक एवं प्रमाण पत्र वितरित किया। इस दौरान उन्होंने बोड़तरा मे महतारी सदन निर्माण हेतु 20 लाख रुपए,अटल डिजिटल सेवा केन्द्र हेतु 7 लाख रुपए,बालिका शौचालय हेतु 5 लाख रुपए एवं 20 ग्राम पंचायतों मे 10-10 लाख के कार्यों की स्वीकृति प्रदान की।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए सांसद श्री अग्रवाल ने कहा कि लोगों की समस्याओं का त्वरित निराकरण व योजनाओ का लाभ देने के लिये सेवा सेतु शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर मे प्राप्त होने वाले आवेदनों का गंभीरतापूर्वक और समय पर निराकरण करें,जिन आवेदनों का निराकरण शिविर मे नहीं हो पा रहा है उसे 7 दिन के

भीतर निराकरण करें। केन्द्र एवं राज्य सरकार जनकल्याण के अनेक योजना संचालित है जिनमे हर घर नल से जल, आयुष्मान कार्ड, महतारी वंदन, किसान सम्मान निधि। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने स्वच्छता एवं महिला सम्मान पर विशेष जोर दिया है। अब घर घर शौचालय का निर्माण हो रहा है।

मेगा हेल्थ कैम्प मे 452 लोगों ने कराया स्वास्थ्य जांच-स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयोजित मेगा हेल्थ कैम्प में 452 लोगों का स्वास्थ्य जांच किया गया तथा 147 लोगों का लैब जांच किया गया वय वंदन अंतर्गत 80 लर्ष से अधिक बुजुर्गों का आयुष्मान कार्ड भी बनाया गया। कैम्प अंतर्गत 393 लोगों का बीपी एवं शुगर जांच,87 लोगों का सिकल सेल जाँच किया गया।टीबी कार्यक्रम अंतर्गत 162 लोगों का एक्सरे किया गया।26 लोगों का फिनियोथेरेपी किया गया। इसके साथ ही बुजुर्गों को 85 चरमा वितरण किया गया।

इस अवसर पर राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा, नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा, कलेक्टर कुलदीप शर्मा,एसपी गौरव राय,पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा, जनपद अध्यक्ष सविता अनंत,जिला अध्यक्ष आनंद यादव,सीईओ जिला पंचायत सुश्री दिव्या अग्रवाल,एसडीएम श्यामा पटेल सहित अन्य जनप्रतिनिधि,अधिकारी - कर्मचारी एवं बड़ी संख्या मे ग्रामीण।

1.913 किलो गांजा के साथ आदतन अपराधी गिरफ्तार, 20 हजार का मादक पदार्थ जब्त



■ खिखली पुलिस की नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, आरोपी के खिलाफ हत्या, हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट समेत कई मामले दर्ज

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 5 अक्टूबर। जिले को नशामुक्त बनाने के अभियान के तहत चौकी चिखली पुलिस ने अवैध गांजा बिक्री के खिलाफकार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 1.913 किलोग्राम गांजा, जिसकी अनुमानित कीमत करीब ₹20 हजार है, बरामद कर जब्त किया है।

पुलिस के अनुसार, 4 अक्टूबर 2026 को सूचना मिली थी कि गठुला पुल, आरएमसी फैक्ट्री रोड के पास एक व्यक्ति गांजा बेचने के लिए ग्राहक तलाश रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और कोशलेंद्र साहू उर्फ कास्तु (22 वर्ष) को पकड़ा। तलाशी के दौरान उसके पास मौजूद स्लेटी रंग के बैग से 1.913 किलोग्राम

गांजा बरामद हुआ। आरोपी के खिलाफ धारा 20(बी) एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की गई। इसके बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से आदेशानुसार उसे जेल दाखिल किया गया।

पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी के खिलाफपूर्व में भी हत्या, हत्या के प्रयास, मारपीट और आर्म्स एक्ट जैसे गंभीर मामलों में अपराध दर्ज हैं। आरोपी के खिलाफ डोंगरगढ़ थाना, कोतवाली थाना और चौकी चिखली में विभिन्न अपराध दर्ज होना बताया गया है।

कार्रवाई पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा के निदेशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन तथा नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती वैशाली जैन के पर्यवेक्षण में की गई।

इस कार्रवाई में चौकी प्रभारी उप निरीक्षक कैलाश चन्द्र मरई, सहायक उप निरीक्षक शत्रुहन टण्डन, विनोद कुमार वर्मा, प्रधान आरक्षक अरुण नेताम, आदित्य सोलंकी, सुनील बैरागी, रंजीत चौरसिया, जयराम निषाद, राजकुमार बंजारा, अमित सोनी सहित चौकी चिखली स्टाफकी महत्वपूर्ण भूमिका रही।

लोकतंत्र में राजनीतिक व गैरराजनीतिक संगठनों को शांति से विरोध करने करने, मांग करने का अधिकार है।यह अधिकार तब दिया जाता है जब राजनीतिक व गैरराजनीतिक संगठन शांति से विरोध करने की अनुमति लेकर शांति से, शालीनता से विरोध प्रदर्शन करके दिखाएं। अक्सर राजनीतिक व गैरराजनीतिक संगठन शांति से विरोध करने की अनुमति लेकर अपने प्रदर्शन को शांतिपूर्ण बनाए नहीं रख पाते है।भीड़ इकट्ठा करते है और भीड़ को संभाल नहीं पाते हैं और दो दूक कह देते हैं कि हंगामा व उपद्रव करने वाले हमारे लोग नहीं थे। हंगामा व उपद्रव करने वालों को रोकना व पकड़ना तो पुलिस का काम है।हंगामा हुआ है,उपद्रव हुआ है तो यह पुलिस की गलती से हुआ है।जंतर मंतर पर पिछली बार पुलिस ने प्रदर्शन की अनुमति दी तो क्या हुआ,दिल्ली में भीड़ एकत्र कर खूब अराजकता फैलाई गई।

इसलिए इस बार जंतर मंतर पर सीईसी के इस्तीफे की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन करने की अनुमति मांगने पर भी नहीं दी गई क्योंकि जंतर मंतर एक बार अराजकता फैलने के बाद यदि फिर से दिल्ली भीड़ अराजकता फैलाती है तो इससे पुलिस प्रशासन की छवि ही खराब होती है।इसलिए दिल्ली पुलिस ने किसी भी जंतर मंतर में सीईसी के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी।इस बार दिल्ली में सीईसी के

राशिफल

मेष आज का दिन आपको कई कामों में व्यस्त रख सकता है। एक साथ कई जिम्मेदारियां सामने हों तो घबराने के बजाय प्राथमिकता तय करके आगे बढ़ें। संतान से जुड़ी कई अच्छी खबर मन को खुशी देगी। लंबे समय से मन में बसी कोई इच्छा पूरी होने से संतोष मिलेगा।

वृषभ आज आलस्य छोड़कर पूरे उत्साह के साथ अपने कामों पर ध्यान देने का समय है। नई जिम्मेदारी शुरुआत में थोड़ी चुनौतीपूर्ण लग सकती है, लेकिन सहयोगियों का साथ आपको मजबूती देगा।

मिथुन आज नए काम की शुरुआत के लिए दिन उत्साह बढ़ाने वाला रहेगा। लंबे समय से जिस कदम को लेकर सोच-विचार कर रहे थे, उसमें आगे बढ़ने का मौका मिल सकता है।

कर्क आज आपका मन दूसरों की मदद करने और जरूरतमंदों के काम आने में लगेगा। सेवा और सहयोग से आपको भीतर से संतोष महसूस होगा। संतान के साथ समय बिताने या कहीं घूमने जाने का अवसर मिल सकता है।

सिंह आज मेहनत के अच्छे परिणाम मिलने की संभावना है, लेकिन कार्यक्षेत्र में किसी से हल्की बहस हो सकती है। ऐसे में शांत रहना ही आपके लिए बेहतर रहेगा। संतान से किया कोई वादा पूरा करने का अवसर आएगा, वहीं पिता की ओर से कोई नई जिम्मेदारी मिल सकती है।

कन्या आज कोई अच्छी खबर आपके पुरे दिन को खुशनुमा बना सकती है। व्यवसाय में किए गए बदलाव अब सकारात्मक परिणाम देने लगेंगे और आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा।

तुला आज कोई भी कदम उठाने से पहले अच्छी तरह सोच-विचार करना आपके लिए जरूरी रहेगा। बीती गलतियों से मिली सीख इस समय आपकी सबसे बड़ी ताकत बन सकती है।

वृश्चिक आज आप सफलता और प्रगति की ओर आत्मविश्वास के साथ बढ़ेंगे। परिवार के बड़े सदस्यों की भावनाओं को समझना और उनका सम्मान करना रिश्तों में मजबूती लाएगा। घर की संपत्ति या बंटवारे से जुड़ी कोई चर्चा सामने आ सकती है, जिसमें जल्दबाजी से बचें।

धनु आज समझदारी और संतुलन से लिए गए फैसले आपको राहत देंगे। बच्चों के साथ समय बिताने से मन प्रसन्न रहेगा और घर का माहौल भी खुशनुमा बनेगा। काम को लेकर जो चिंता कुछ समय से परेशान कर रही थी, उसमें धीरे-धीरे कमी आएगी।

मकर आज का दिन परिवार और काम दोनों के लिहाज से सुखद रह सकता है। परिवार में किसी नए मेहमान के आने से खुशियों का माहौल बनेगा। निवेश या शेयर बाजार से लाभ की संभावना बन सकती है, लेकिन किसी की बातों में आकर जल्दबाजी में निर्णय न लें।

कुंभ आज आप ऊर्जा और उत्साह से भरे रहेंगे। किसी सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर मिल सकता है, जिससे लोगों के बीच आपकी पहचान और सम्मान बढ़ेगा। माताजी से किए गए किसी वादे को पूरा करने की कोशिश करें।

मीन आज का दिन परिवार के साथ खुशी और सुकून भरे पल बिताने का अवसर देगा। पुराने मतभेद बातचीत के जरिए दूर किए जा सकते हैं और रिश्तों में फिर से गर्माहट आएगी। मन में किसी के प्रति ईर्ष्या या नकारात्मकता रखने के बजाय सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ें।

शांतिपूर्ण आंदोलन करने का एक बार मौका देखकर देख लिया

इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन सीजेपी की जगह आम आदमी पार्टी,आइसा,एनएसयुआई ने की थी।इस बार पुलिस ने कोई अनुमति नहीं दी और नई दिल्ली और आसपास निषेधाज्ञा लागू कर दी साथ ही और जो कुछ किया जा सकता वह सब किया और जिन लोगों ने प्रदर्शन करने का प्रयास किया उन लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया।कुल मिलाकर ७०० लोगों को गिरफ्तार किया गया है और किसी को जंतर मंतर में प्रदर्शन नहीं करने दिया गया।शांति व्यवस्था बनाए रखना पुलिस का काम है, जंतर मंतर में एक के मामले में वह भले ही शांति व्यवस्था बनाने के मामले में पुलिस चूक गई हो लेकिन पिछली गलती से उसने सबक लिया और किसी राजनीतिक या गैरराजनीतिक संगठन को दिल्ली में अराजकता नहीं फैलाने दी।राजनीतिक व गैरराजनीतिक संगठन को पुलिस कभी कभी आंदोलन व प्रदर्शन की अनुमति देती है तो वह समझते हैं कि उनको प्रदर्शनस्थल पर कुछ भी करने की छूट मिल गई है,किसी को भी गाली देने की छूट मिल गई है और वह बहुत कुछ ऐसा करते हैं जो देश के लोगों को बुरा लगता है और लोग ऐसे आंदोलन को पसंद नहीं करते हैं और लोग भी चाहते हैं कि पुलिस को ऐसे संगठनों को प्रदर्शन करने की अनुमति दी जानी चाहिए।

विश्लेषण

युवा जनसंख्या,जेन जी पर राष्ट्र बोध की वैचारिकता जरूरी

संजीव ठाकुर



हमें सदैव वर्तमान में जीना चाहिए, वर्तमान का कठोर श्रम सुनहरे भविष्य की ओर अग्रसर होता है। इतिहास से शिक्षा लेनी चाहिए और भविष्य के प्रति सकारात्मक सोच के साथ आगे सदैव अग्रसर होते रहना

चाहिए। किसी भी राष्ट्र को बड़ा बनाने या समृद्ध बनाने के लिए वर्षों की मेहनत अथक प्रयास और सकारात्मक सोच के साथ संयम एवं उच्च मनोबल की आवश्यकता होती है, तब जाकर ही राष्ट्र एक मजबूत तथा विकासवान राष्ट्र बन पाता है। आजादी के 80 वर्ष के बाद भारत ने विकास की गति को बहुत मजबूती के साथ थामा हुआ है। 141 करोड़ की जनसंख्या वाले देश में युवा जनसंख्या का प्रतिशत बहुत ज्यादा है, आने वाले भविष्य में देश की बागडोर इन्हीं युवा हाथों में होने वाली है। एक बहुत अच्छी कहावत है कि "आशाओं पर आकाश टिका हुआ है" और निःसंदेह आशा,उम्मीद, संभावना बहुत ही सारगर्भित एवं चमत्कारिक शब्द भी हैं। उम्मीद जो इतिहास में कई बार चमत्कार करती आई है। यह आशा एवं उम्मीद का ही प्रतिफल है कि हम सकारात्मक होकर उच्च मनोबल के साथ किसी लक्ष्य की तरफ आगे बढ़ते है। फिर यदि लक्ष्य मेडिकल साईंस में किसी नई दवा को इजाद करना हो या स्पेस रिसर्च में नई टेक्नोलॉजी लाना हो या देश मे विकास की नई धारा को प्रवाहित करना हो, तो सकारात्मक ऊर्जा हमें इस संदर्भ में मदद करने वाला तत्व होता है। अच्छी और सही सोच हमेशा अच्छे परिणाम देने वाला होती है, पर बिना सकारात्मक सोच के और बिना किसी सार्थक परिणाम की कल्पना किए हुए उस पर

पसीना बहाना बड़ा ही दुष्कर कार्य प्रतीत होता है। अच्छे पद अथवा अच्छे अंक प्राप्त करने के लिए विद्यार्थी सकारात्मक सोच और उच्च मनोबल तथा संयम को लेकर ही आगे अपनी तैयारी करता है एवं उच्चतम अंक या उच्च पद की प्राप्ति करता है। कोई भी खिलाड़ी ओलंपिक में बिना पदक की लालसा के तैयारी नहीं कर सकता और पदक को लक्ष्य मानकर जब वह पूर्ण मनोबल के साथ आशाओं की लकीरों के मध्य वह जब अपना पसीना मैदान में बहाता है तो वह लक्ष्य प्राप्ति की ओर लगातार अग्रसर होता है और उसे अंत में अपनी सकारात्मक ऊर्जा के कारण वह पदक



अवश्य प्राप्त होता है। दार्शनिक भी कहते हैं कि लक्ष्य प्राप्ति के लिए एक बेहतर और अच्छी शुरुआत सफलता का बहुत बड़ा हिस्सा होती है। हम संभावनाओं के दम पर जो हमें निरंतर प्रेरित करती है अपना पहला कदम उठाकर सफलता सुनिश्चित करते हैं। जीवन की कटु सच्चाई तथा जिंदगी के उतार-चढ़ाव को झेलने के लिए एवं सफलता की ओर अग्रसर होने के लिए हमें आशा एवं सकारात्मक सोच की सदैव मदद करती इसके बिना किसी सफलता के बारे में सोचना भी

बेमानी होगा। संभावनाओं को दृष्टिगत रखते हुए हमें अपने संपूर्ण मनोबल के साथ उस कार्य को अंजाम देने के लिए अपनी तरफ से पूरी पूरी कोशिश करनी होगी एवं लक्ष्य के साथ दे तथा साधनों के बारे में पूरी जानकारी प्राप्त कर उस के संदर्भ में उसके अंतर्निहित हर तत्व को भलीभांति पहचान कर उस पर मेहनत करनी होगी अन्यथा बड़े लक्ष्य की प्राप्ति के लिए यदि मेहनत और कठोर श्रम न किया जाए तो असफलता ही हाथ लगती है।यही वजह है कि जिन भी बड़े लोगों ने बड़ी सफलता प्राप्त की है निःसंदेह उन्होंने कठिन परिश्रम अपने लक्ष्य के लिए किया था, है और

पृष्ठभूमि में शांत चित्त मस्तिक की आवश्यकता होती है। सर्वप्रथम हमारे सामने जो उपलब्ध वर्तमान का समय है वर्तमान के अवसर संपूर्ण सदुपयोग कर भविष्य की तमाम सफलताओं को सुनिश्चित किया जा सकता है। हमें सदैव चौकन्ना रहकर जो हमारे सामने समय सीमा है एवं समय के अवसर हैं उन्हें पहचान कर उसका संपूर्ण दोहन कर उपलब्ध संसाधनों का परीक्षण कर समेकित रूप से सब का समुचित उपयोग कर लक्ष्य की प्राप्ति की ओर जागृत होना चाहिए। जैसा कि हमारे प्रधानमंत्री ने कहा की करीना काल में हमें आपदा में अवसर की तलाश करनी चाहिए और अवसर ही हमें किसी भी विकट परिस्थिति से लड़ने एवं उस पर नियंत्रण रखने की शक्ति एवं ऊर्जा प्रदान करते हैं। यह सकारात्मक सोच का ही परिणाम है की कोविड-19 के संक्रमण में भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश में उस पर प्रभावी नियंत्रण किया एवं उस पर विजय प्राप्त की है। यह आसान काम नहीं था किंतु पूरे देश के नागरिकों एवं अग्रिम नेताओं के सकारात्मक सोच तैयारी एवं संसाधनों के समुचित प्रयोग से ही संभव हो पाया। आज हमारे सामने समाज में जो भी हमारे प्रेरणा स्रोत हैं, वे कभी चुनौतियों के सामने झुके नहीं और ना ही उन्हें किसी प्रकार की समाजिक कठिनाई अथवा चुनौती झुका पाई और यही कारण है की वह हमारे प्रेरणा स्रोत बने हुए हैं। इस संदर्भ में हर व्यक्ति को सकारात्मक सोच रख कर अपने मौजूदा संसाधनों का संपूर्ण दोहन कर सटीक नीति और भविष्य की योजनाएं बनाकर उस पर मेहनत करनी होगी और मेहनत से उपजे आत्मबल तथा संयम के साथ किसी भी लक्ष्य की प्राप्ति के लिए संपूर्ण ऊर्जा समर्पित रूप से केंद्रित कर उस लक्ष्य की प्राप्ति करनी होगी। नागरिकों के समेकित प्रयास अखंडी सोच और कड़ी मेहनत से ही संपूर्ण राष्ट्र वैश्विक स्तर पर एक आदर्श तथा प्रेरणादायक राष्ट्र बनने की क्षमता की ओर आगे बढ़ सकता है।

राज्यसभा में सपा के दो पत्ते खुले तीसरी सीट ने बढ़ाई बेचैनी

संजय सक्सेना,लखनऊ

उत्तर प्रदेश की राजनीति में कई बार बड़ा सवाल यह नहीं होता कि किसके पास कितने विधायक हैं, बल्कि यह होता है कि उन विधायकों के बीच आखिरी समय तक कौन अपनी रणनीति कितनी मजबूती से निभा पाता है। राज्यसभा की 10 सीटों के चुनाव ने एक बार फिर यही सवाल सामने खड़ा कर दिया है। समाजवादी पार्टी ने 30 सितंबर को रामगोपाल



यादव के साथ धनराज परिमल नथवानी को उम्मीदवार बनाकर मुकाबले में नया कोण जोड़ दिया है। नथवानी का नाम इसलिए चर्चा में है क्योंकि उनकी पहचान पारंपरिक समाजवादी राजनीति से नहीं, बल्कि उद्योग और खेल प्रशासन से जुड़ी रही है। अब चुनाव सिर्फ सीटों का नहीं, अतिरिक्त वोटों की तलाश और राजनीतिक संदेश का भी बन गया है।सबसे पहले गणित समझना जरूरी है। उत्तर प्रदेश विधानसभा की प्रभावी सदस्य संख्या 397 है। राज्यसभा की एक सीट के लिए प्रथम वरीयता के 37 वोट चाहिए। सपा के 101 विधायक हैं और कांग्रेस के दो विधायकों को जोड़ने पर संख्या 103 हो जाती है। दो उम्मीदवारों के लिए 74 वोट चाहिए। यानी सपा-कांग्रेस के पास 29 वोट अतिरिक्त बचते हैं। लेकिन तीसरे उम्मीदवार की जीत के लिए 37 वोट चाहिए होंगे। मतलब साफ है तीसरी सीट के लिए कम से कम आठ और वोट जुटाने होंगे। यही आठ वोट इस पूरे चुनाव की सबसे महत्वपूर्ण संख्या बन चुके हैं। दूसरी तरफ भाजपा नेतृत्व वाले गठबंधन के पास 289 विधायकों का संख्या बल बताया गया है। इस आधार पर सात सीटें सुरक्षित करने के बाद भी उसके पास अतिरिक्त वोटों का बड़ा आधार बचता है। इसलिए मौजूदा गणित में आठ सीटें भाजपा के लिए और दो सीटें सपा के लिए मजबूत स्थिति में दिखाई देती हैं। दसवीं सीट तभी संघर्ष का मैदान बनती है जब कोई पक्ष अपने तय हिस्से से आगे जाने के लिए अतिरिक्त समर्थन जुटाने की कोशिश करे। यही वजह है कि अब हर विधायक की राजनीतिक स्थिति और हर सहयोगी दल का रुख चर्चा का विषय बन गया है।सपा ने नथवानी को मैदान में

उतारकर इसी गणित के बीच अपना संदेश दिया है। धनराज परिमल नथवानी रिलायंस इंडस्ट्रीज से जुड़े रहे हैं और गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष रह चुके हैं। उनके पिता परिमल नथवानी भी रिलायंस से जुड़े रहे हैं और झारखंड से राज्यसभा सदस्य हैं। धनराज नथवानी की सार्वजनिक पहचान कॉरपोरेट क्षेत्र, क्रिकेट और अन्य सार्वजनिक गतिविधियों से बनी है। इसलिए उनका उत्तर प्रदेश से सपा उम्मीदवार बनना सामान्य राजनीतिक टिकट वितरण से अलग जरूर दिखाई देता है। लेकिन इसके पीछे पार्टी की अंतिम रणनीति क्या है, इसका आकलन केवल उनकी पेशेवर पृष्ठभूमि के आधार पर करना जटिलबाजी होगा। यहाँ सपा के पुराने फैसलों को भी याद करना जरूरी है। पार्टी ने पहले भी उत्तर प्रदेश की राज्यसभा सीटों पर ऐसे लोगों को भेजा है जिनकी पहचान राज्य की जमीनी राजनीति से अलग रही। जया बच्चन इसका प्रमुख उदाहरण हैं। पश्चिम बंगाल की राजनीति से जुड़े किरणमय नंदा और मध्य प्रदेश के विदिशा से जुड़े मुन्नवर सलीम भी सपा के जरिए उत्तर प्रदेश से राज्यसभा पहुंचे। इसलिए नथवानी का चयन पार्टी के इतिहास में पूरी तरह नया प्रयोग नहीं कहा जा सकता। नूरी जकर यह है कि इस बार कॉरपोरेट और खेल प्रशासन की पृष्ठभूमि वाले व्यक्ति को चुनावी मैदान में उतारने का फैसला ऐसे समय हुआ है, जब 2027 विधानसभा चुनाव की राजनीतिक जमीन तैयार हो रही है।यहाँ से पीछीए की राजनीति का सवाल भी उठता है। सपा ने

पिछले वर्षों में पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक प्रतिनिधित्व को अपनी राजनीतिक रणनीति का केंद्रीय हिस्सा बनाया है। ऐसे में नथवानी की उम्मीदवारी पर सवाल उठना स्वाभाविक है कि पार्टी अपने सामाजिक समीकरण के साथ कॉरपोरेट पृष्ठभूमि के इस चेहरे को किस तरह जोड़ती है। लेकिन राज्यसभा की राजनीति केवल जातीय प्रतिनिधित्व तक सीमित नहीं होती। उम्मीदवार का संसदीय उपयोग, सार्वजनिक संपर्क, पेशेवर अनुभव और राजनीतिक पहुंच भी दलों के फैसलों में भूमिका निभा सकते हैं। इसलिए इस चयन का अंतिम राजनीतिक अर्थ पार्टी के अगले कदमों से ही स्पष्ट होगा। अब असली कहानी तीसरे उम्मीदवार की है। सपा ने तीसरे नाम को लेकर अभी आधिकारिक घोषणा नहीं की है, लेकिन पार्टी के भीतर इसे लेकर चर्चा लगातार चल रही है। पिछले दिनों दलित चेहरे को तीसरे उम्मीदवार के रूप में उतारने की संभावनाओं की खबरें सामने आई थीं। यदि ऐसा होता है तो सपा एक साथ संख्या और सामाजिक संदेश, दोनों को साधने की कोशिश करेगी। लेकिन 29 अतिरिक्त वोटों से 37 तक पहुंचने का रास्ता आसान नहीं है। आठ वोटों की कमी छोटी दिखाई देती है, पर राज्यसभा चुनाव में यही अंतर निर्णायक हो सकता है।भाजपा के लिए भी चुनौती अलग नहीं है। यदि आठवीं सीट के बाद अतिरिक्त मुकाबला बनता है तो उसे भी अपने अतिरिक्त वोटों को एकजुट रखना होगा। छोटे सहयोगी दलों और गठबंधन से बाहर के विधायकों की भूमिका

बढ़ेगी। ऐसे चुनावों में क्रॉस वोटिंग की चर्चा स्वाभाविक है, लेकिन चर्चा और वास्तविक मतदान के बीच बड़ा अंतर होता है। 2024 के राज्यसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश ने दिखाया था कि अतिरिक्त सीट के लिए संख्या बल से अधिक महत्वपूर्ण अंतिम समय का प्रबंधन हो सकता है। इस बार भी किसी संभावित क्रॉस वोटिंग को पहले से तय मान लेना राजनीतिक गणित को अटकल में बदल देगा। इस चुनाव का सबसे बड़ा राजनीतिक महत्व यही है कि यह 2027 से पहले दोनों प्रमुख खेमों के संगठनात्मक प्रबंधन की परीक्षा बन गया है। राज्यसभा का परिणाम विधानसभा चुनाव का भविष्य तय नहीं करेगा, लेकिन यह जरूर दिखाएगा कि कौन अपने विधायकों और सहयोगियों को कितनी मजबूती से साथ रख पाता है।रामगोपाल यादव सपा की स्थापित संसदीय राजनीति का चेहरा हैं और धनराज नथवानी एक बिल्कुल अलग पेशेवर दुनिया से आते हैं। इन दोनों नामों का साथ आना अपने आप में सपा की रणनीति में विविधता दिखाता है। अब तीसरा नाम इस तस्वीर को और स्पष्ट करेगा। 6 अक्टूबर को नामांकन की अंतिम तारीख है और 16 अक्टूबर को मतदान। तब 103 बनाम 37 का कारगजी गणित वास्तविक मतपत्र पर उतरेगा। फिलहाल इतना तय है कि उत्तर प्रदेश की 10 राज्यसभा सीटों की लड़ाई में असली कहानी सीटों की संख्या से ज्यादा उन अतिरिक्त वोटों की है, जिनके लिए दोनों खेमे अंतिम दिन तक राजनीतिक गणित साधेंगे।

हरी घास

व्यंग्य

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'

वहां न कोई सोयाबीन था, न कोई कपास। वहां चार फीट गहरा गंदा, सड़ा हुआ बाढ़ का पानी भरा था। और उस पानी की सतह पर तैर रही थी, सैकड़ों टन जहरीली जलकुंभी और सड़ी हुई जंगली घास।

उपग्रह के अंधे कैमरे ने अंतरिक्ष से उस पानी पर फैली सड़ती हुई हरी काई और जलकुंभी को 'स्वस्थ, समृद्ध फसल' मान लिया था। एआई का एल्गोरिदम ईसान की सांसें नहीं पहचानता है। पोर्टल पर रिपोर्ट स्वतः लॉक हो चुकी थी, 'फसल पूर्णतः सुरक्षित। किसान किसी भी प्रकार के मुआवजे अथवा क्लेम का पात्र नहीं है।'

यार, तुमने कभी किसी ईसान को अपनी ही बर्बादी के सबूत जुटाने के लिए गिड़गिड़ाते देखा है? इस मुल्क में गरीब का सच सबसे बड़ा झूठ मान लिया जाता है, जब तक कि कोई मशीन उस पर मुहर न लगाए।

उस डूबते खेत की मेड़ पर पचास साल का किसान हरिकिशन खड़ा था। बदन पर एक फटी हुई बनियान और आंखों में नींद का आखिरी कतरा भी गायब। उसकी हथेली में बैंक का लाल नोटिस था। खाद, बीज और बेटी सुमित्रा के ब्याह के लिए लिया गया चार लाख रुपये का कर्ज अब, सीधे नीलामी की चौखट पर पहुंच चुका था। हरिकिशन ने आगे बढ़कर सर्वेयर के बूट पकड़ लिए, "बाबूजी, भीतर उतरकर देख लो... मेरी चार महीने की मेहनत सड़कर बदेबू मार रही है। मेरी फसल का एक दाना भी नहीं बचा।"

सर्वेयर ने अपना आईपैड उसकी आंखों के आगे चमकाया और बड़े दार्शनिक भाव से बोला, "हरिकिशन जी, विज्ञान भावनाओं पर नहीं चलता। अंतरिक्ष में तैरता अरबों रुपये का सैटेलाइट झूट बोलेगा या तुम? हमारे डिजिटल डैशबोर्ड पर तुम्हारा खेत राज्य में नंबर वन ग्रीनरी दिखा रहा है।

अगर हमने नुकसान लिखा, तो सिस्टम ऑडिट हमें जेल भेज देगा।"व्यवस्था का सारा सौंदर्य इसी में है; वह इतनी निर्दोष और तकनीकी रूप से सटीक होती है कि उसमें किसी भूखे की मर्दानगी सिर्फ उसकी अपनी किस्मत पर डाल दी जाती है।

अधिकारी अपनी चमचमाती जीप में बैठकर वापस लौट गए। शाम ढलते ही गांव के आसमान पर बाढ़ के बाद के काले बादलों ने डेरा डाल दिया। हरिकिशन खेत के किनारे लगे पुराने बबूल के पेड़ के नीचे आया। उसने अपने दोनों खूदे बेलों के गले की पुरानी रस्सी बूली और उनके माथे को चूमकर उन्हें जंगल की तरफ हांक दिया। वे बेजुबान भी जैसे समझ गए थे कि अब इस चौखट पर उनके लिए भी चारा मयस्सर नहीं होगा। रात के आठ बजे, उसकी झोपड़ी में जलती हुई दिबरी की मॉडिम रशियन में बेटी सुमित्रा ने टूटी थाली में नमक और बाजरे की एक सूखी रोटी लाकर रखी। हरिकिशन ने रोटी को नहीं छुआ। उसने

अपनी जेब से बैंक का वह लाल नोटिस निकाला और उसके पीछे पेंसिल से लिखा, 'मेरी हरी फसल देखने वालों, मेरी राख भी हरी ही गिन लेना।'अगली सुबह, जब सूरज की पहली किरण उस बाढ़ के गंदे पानी पर पड़ी, तो बबूल की डाल से एक धारा देह झूल रही थी। उसी वक्त, किसान के खंडी पर टंगे फुटे कुर्ते की जेब में पड़ा पुराना मोबाइल फोन ऑटोमैटेड पोर्टल का संदेश तैर रहा था, 'प्रिय कृषक, उपग्रह सर्वेक्षण के अनुसार आपकी फसल उत्कृष्ट पाई गई है। आधुनिक डिजिटल कृषि प्रणाली पर विश्वास रखने के लिए आपका कोटि-कोटि आभार।'नीचे पानी के किनारे बैठी अनाथ बेटी सुमित्रा अपने पिता के झूलते हुए नंगे पैरों को अपनी हथेलियों में समेटे चीख रही थी, लेकिन उसकी चीख उस सड़ती हुई जलकुंभी के पत्तों से टकराकर खामोश हो रही थी।

एक नजर

फरसागांव-रांधना मोड़ पर ट्रक से टकराई तेज रफ्तार बाइक, दो युवक घायल

कोंडागांव, 5 अक्टूबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिले के फरसागांव थाना क्षेत्र अंतर्गत एनएच-30 स्थित रांधना मोड़ पर आज रविवार सुबह तेज रफ्तार बाइक सवार दो युवक सामने से गुजर रहे ट्रक की टक्कर के बाद दोनों युवक सड़क पर गिरकर घायल हो गए। हदसे के बाद ट्रक चालक वाहन लेकर मौके से फार हो गया। हदसे के समय सड़क पर कोई अन्य वाहन या राहगीर बाइक की चपेट में नहीं आया, इससे बड़ा हादसा टला गया। पुलिस ने वाहन चालकों से हादसे और मोड़ पर गति नियंत्रित रखने की अपील की है। मिली जानकारी के अनुसार दोनों युवक बाइक से फरसागांव की ओर जा रहे थे। रांधना मोड़ के पास बाइक की ट्रक से टक्कर हो गई। सीसीटीवी फुटेज में बाइक की रफ्तार तेज दिखाई दे रही है। टक्कर के बाद दोनों युवक सड़क पर गिर गए। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई, स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने दोनों को बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंचकर सीसीटीव फुटेज के आधार पर ट्रक और उसके चालक की पहचान कर रही है।

अंदरूनी नक़लमुवत इलाकों में मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना’ बनी जीवनरेखा

सुकमा,5 अक्टूबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिलें में 09 प्रमुख मार्गों जैसे सुकमा से बड़ेसड़ो, गादीरास से ओलेर, वीरनावाल से कोतापल्ली, कोंटा से गोलापल्ली, पुसपाल से सुकमा, चिंतागुफ से मरईगुड़ा, जगरगुण्डा से कोंटा तथा चितलनार से सुकमा तक नियमित रूप से मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना के बसों का संचालन सुनिश्चित किया गया है। यह बस सेवा अंदरूनी क्षेत्रों के विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा की राह आसान कर रही है, जिससे छात्र अब सुगमता से शहर के शिक्षण संस्थानों तक पहुंच रहे हैं। वहीं दैनिक मजदूर, किसान और छोटे व्यापारी अपनी आजीविका तथा हाट-बाजारों के लिए समय पर आवाजाही कर पा रहे हैं। इस योजना के धरातल पर उतरने से न केवल ग्रामीणों के पैसे और समय की बचत हो रही है, बल्कि वर्षों से आवागमन की समस्या झेल रहे लोगों के लिए अपने परिजनों और रिश्तेदारों से मिलना-जुलना भी बेहद आसान हो गया है। कभी परिवहन के अभाव में मीलों पैदल चलने को मजबूर रहने वाले बस्तर के इन अंदरूनी इलाकों में अब विकास की नई रफ्तार दिखाई दे रही है।

17 ग्राम पंचायतों में उप निर्वाचन के लिए मतदाता सूची तैयार करने अधिकारियों की हुई नियुक्ति

जगदलपुर, 5 अक्टूबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार बस्तर जिले में त्रिस्तरीय पंचायत उप निर्वाचन 2026 को लेकर प्रशासनिक तैयारियां शुरू हो गई हैं। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (स्थानीय निर्वाचन) आकाश छिकरा द्वारा जारी आदेश के तहत जिले के सात विकासखंडों की 17 ग्राम पंचायतों में रिक पदों के लिए चुनावी प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जा रहा है। इस उप निर्वाचन के जरिए जिले में सरपंच के 2 और पंच के 15 रिक पदों को भरा जाना है, जिसके लिए 01 अक्टूबर 2026 की संदर्भ तिथि के आधार पर फ़ोटोयुक्त निर्वाचक नामावली तैयार करने का कार्य आरंभ कर दिया गया है। छत्तीसगढ़ पंचायत निर्वाचन नियम 1995 के प्रावधानों का पालन करते हुए निर्वाचन कार्य के सुचारु संचालन के लिए अधिकारियों को दायित्व सौंप गए हैं। जारी आदेश के अनुसार जगदलपुर, लोहणडीगुड़ा, बस्तर, बकावण और तोकापाल के अनुविभागीय राजस्व अधिकारियों को संबंधित जनपद पंचायतों के लिए रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (पंचायत) पदाभिहित किया गया है। वहीं जगदलपुर, लोहणडीगुड़ा, बस्तर, बकावण, तोकापाल, बस्तानार और दरभा के तहसीलदारों तथा जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी की जिम्मेदारी दी गई है। मतदाता सूची से जुड़े किसी भी प्रकार के दावों और आपत्तियों के अंतिम निराकरण हेतु अपर कलेक्टर जिला बस्तर जगदलपुर को अपीलीय अधिकारी (पंचायत) नियुक्त किया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी नियुक्त अधिकारियों को आदेश के दिशा-निर्देशों एवं निर्देश पुस्तिका के अनुरूप पूर्णतः पारदर्शी, शुद्ध और त्रुटिरहित निर्वाचक नामावली तैयार करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही मतदाता सूची के भौतिक परीक्षण व सत्यापन से जुड़े समस्त कार्यों को समय-सीमा के भीतर प्राथमिकता के साथ पूर्ण करने को कहा गया है।

परंपरा की आड में सट्टा-शराब नहीं, रूद्रारम मुर्गा बाजार बंद करने सर्व आदिवासी समाज ने उठाई मांग

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर, 5 अक्टूबर। भोपालपटनम क्षेत्र के रूद्रारम में पारंपरिक त्योहारों के दौरान आयोजित होने वाले मुर्गा बाजार को लेकर सर्व आदिवासी समाज ने प्रशासन के समक्ष अपनी आपत्ति और मांगें रखी हैं। समाज के पदाधिकारियों का कहना है कि पोला, उगादी और दशहरा जैसे पर्वों पर पारंपरिक रीति-रिवाजों के तहत होने वाले आयोजन सांस्कृतिक परंपरा का हिस्सा हैं, लेकिन इन आयोजनों के दौरान यदि सट्टा, जुआ, अवैध शराब बिक्री अथवा गंदगी जैसी गतिविधियां होती हैं तो उन पर प्रशासन को प्रभावी निगरानी और कार्रवाई करनी चाहिए।

सर्व आदिवासी समाज के पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि मुर्गा बाजार के दौरान कुछ लोगों द्वारा कथित रूप से सट्टा-पट्टी और जुआ संचालित किया जा रहा है। इसके साथ ही अवैध शराब की बिक्री और आयोजन स्थल पर गंदगी

198 दिव्यांग हितग्राहियों को मिलेंगे कृत्रिम अंग और सहायक उपकरण

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर 5 अक्टूबर। छत्तीसगढ़ शासन के उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के निर्देशन और मार्गदर्शन में जिले के दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण उपलब्ध कराने की दिशा में जिला प्रशासन ने महत्वपूर्ण पहल शुरू की है। 15 से 17 अक्टूबर 2026 तक जिला मुख्यालय दत्तेवाड़ा में दिव्यांग सहायता शिविर आयोजित किया जाएगा। बीजापुर जिले से 198 दिव्यांग हितग्राहियों का चयन विभिन्न कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरणों के लिए किया गया है। जयपुर की एनजीओ संस्था महावीर के के सहयोग से निः शुल्क शिविर का आयोजन किया जा रहा है। कार्यालय कलेक्टर में शनिवार को आयोजित प्रेसवार्ता में अपर कलेक्टर भूपेन्द्र अग्रवाल ने बताया कि जिले में कुल 2734 दिव्यांगजन



पंजीकृत हैं। इनमें से 1542 दिव्यांगजन पूर्व में सहायक उपकरण प्राप्त कर चुके हैं, जबकि दत्तेवाड़ा शिविर के लिए अभी तक 198 हितग्राहियों का चयन किया गया है। 14 अक्टूबर तक नए नाम जोड़ने के लिए जिले के समस्त

जनपद पंचायतों के अलावा समाज कल्याण विभाग में संपर्क किया जा सकता है। जिसके लिए मुख्य रूप से दिव्यांग सर्किफ़्रेट की आवश्यकता होगी। दत्तेवाड़ा में आयोजित शिविर में 3 जिले बीजापुर, सुकमा और दत्तेवाड़ा के

अधीक्षिका को हटाने के बाद भी मामला गरमाया सर्व आदिवासी समाज ने निष्पक्ष जांच की मांग की

■ भोपालपटनम में प्रेसवार्ता कर समाज ने कहा—कार्रवाई के साथ तथ्यों की हो पूरी जांच; दोष सिद्ध होने पर ज़ेजै एक्ट समेत सुसंगत धाराओं में कार्रवाई की मांग

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर, 5 अक्टूबर। भोपालपटनम स्थित एकलव्य आवासीय विद्यालय में कथित छेड़छाड़ एवं कस्ट्यूबा गांधी बालिका छात्रावास में छात्राओं के साथ कथित मारपीट के मामले को लेकर सर्व आदिवासी समाज ने प्रशासन से निष्पक्ष एवं विस्तृत जांच की मांग की है। एक मामले में अधीक्षिका को पद से हटाए जाने के बाद समाज के पदाधिकारियों ने कहा कि प्रशासन द्वारा की गई कार्रवाई को आगे की जांच और दूसरे मामले में आवश्यक कानूनी प्रक्रिया के साथ देखा जाना चाहिए, ताकि घटना से जुड़े सभी तथ्यों की स्पष्टता हो सके।

गोंडवाना भवन में प्रेसवार्ता, कार्रवाई पर समाज ने उठाए सवाल: भोपालपटनम के गोंडवाना (कोया) सामुदायिक भवन में आयोजित प्रेसवार्ता में सर्व आदिवासी समाज के पदाधिकारियों ने सर्व आदिवासी समाज के पदाधिकारियों ने छात्रावास प्रकरण पर अपनी बात रखी। समाज का कहना है कि छात्राओं के साथ कथित मारपीट की शिकायत सामने आने के



बाद मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन को विस्तृत जांच करानी चाहिए। समाज ने अधीक्षिका को पद से हटाए जाने के प्रशासनिक कदम का उल्लेख करते हुए कहा कि केवल प्रशासनिक कार्रवाई से मामले के सभी पहलुओं की स्थिति स्पष्ट नहीं होती। इसलिए घटना की परिस्थितियों, संबंधित पक्षों के बयान और उपलब्ध साक्ष्यों की निष्पक्ष जांच जरूरी है।

दोष सिद्ध होने पर कानूनी कार्रवाई की मांग : सर्व आदिवासी समाज ने मांग की है कि जांच में यदि छात्राओं के साथ मारपीट के आरोप प्रमाणित होते हैं, तो संबंधित व्यक्ति के खिलाफ किशोर न्याय अधिनियम सहित लागू सुसंगत कानूनी धाराओं के तहत कार्रवाई की जाए।

समाज ने यह भी कहा कि मामले में छात्राओं की सुरक्षा और मानसिक स्थिति को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। आवश्यकता होने पर उन्हें काउंसिलिंग और अन्य आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जाए।

छात्रावासों की व्यवस्था पर भी निगरानी की मांग: समाज के पदाधिकारियों ने कहा कि इस प्रकरण की जांच के साथ जिले के बालिका छात्रावासों में सुरक्षा, अनुशासन और निगरानी व्यवस्था की भी समीक्षा होनी चाहिए। उनका कहना है कि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा नियमित निरीक्षण और शिकायतों के त्वरित निराकरण की व्यवस्था प्रभावी होनी चाहिए।

दिव्यांगों को कृत्रिम अंग लगाए जाएंगे।

32 कृत्रिम हाथ, 39 कृत्रिम पैर और 86 ट्राईसाइकिल होंगे वितरण : शिविर में बीजापुर जनपद से 100, भैरमगढ़ से 22, भोपालपटनम से 33 और उमरू जनपद से 43, कुल 198 दिव्यांग हितग्राही शामिल होंगे। जानकारी के मुताबिक चयनित हितग्राहियों के लिए 32 कृत्रिम हाथ, 39 कृत्रिम पैर और 86 ट्राईसाइकिल सहित बैसाखी, श्रवण यंत्र, छड़ी, कैलिपर्स, वॉकर, बैलेंसिंग स्टिक और व्हील चेयर जैसे सहायक उपकरण प्रस्तावित हैं।

कलेक्टर ने जनपद पंचायतों को सौंपी जिम्मेदारी: कलेक्टर विश्वदीप ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए बीजापुर, उमरू, भोपालपटनम और भैरमगढ़ के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को संबोधित दिव्यांग हितग्राहियों को दत्तेवाड़ा शिविर स्थल तक समुचित वाहन

व्यवस्था के साथ पहुंचाने तथा शिविर के बाद उन्हें वापस लाने की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं जिला पंचायत सीईओ नम्रता चौबे को नोडल बनाया गया है, सहायक नोडल के रूप में उप संचालक समाज कल्याण है।

दत्तेवाड़ा में ठहरने व भोजन की निः शुल्क व्यवस्था : बताया गया है कि शिविर में उपस्थित होकर पात्र दिव्यांग हितग्राहियों को कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरणों का लाभ दिलाना सुनिश्चित किया जाए। जिला स्तर पर शिविर के समन्वय और आवश्यक कार्रवाई की जिम्मेदारी समाज कल्याण विभाग को दी गई है। बीजापुर जिले में पहली बार कृत्रिम अंग लगाए जाने का शिविर आयोजन किया जा रहा है। दत्तेवाड़ा में रुकने तथा भोजन की निः शुल्क व्यवस्था किया गया है। 3 दिनों में अलग अलग जिले के दिव्यांगों का अंग लगाए जाएंगे।

बीजापुर में इंडिया गठबंधन ने की सीईसी की बर्खास्तगी और गिरफ्तारी की मांग



■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर, 5 अक्टूबर। जिला मुख्यालय बीजापुर में इंडिया गठबंधन ने संयुक्त प्रेस वार्ता कर मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार और भाजपा के गंभीर आरोप लगाए। गठबंधन नेताओं ने देश में कथित -वोट चोरी-, मतदाता सूची में छंटी और चुनावी प्रक्रिया के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए ज्ञानेश कुमार को तत्काल पद से हटाने, उनके खिलाफमामला दर्ज कर गिरफ्तारी तथा उनके कार्यकाल में लिए गए फैसलों की स्वतंत्र एवं पारदर्शी जांच की मांग की।

जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष लालू राठौर ने आरोप लगाया कि पिछले 10 महीनों में दो निर्वाचन आयुक्तों सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त के कथित एकातरपक्ष और मनमाने फैसलों के खिलाफ कम से कम 14 बार लिखित आपत्ति दर्ज की, लेकिन इन आपत्तियों पर पर्याप्त सुनवाई नहीं हुई। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था में उठी ऐसी आपत्तियां गंभीर सवाल खड़े करती हैं।

लालू राठौर ने विशेष गहन पुनरीक्षण (रिस्ट्रूक) को लेकर भी गंभीर आरोप लगाए। उनका दावा है कि प्रक्रिया के दौरान अनधिकृत रूप से नए नाम जोड़े गए, वास्तविक मतदाताओं के नाम हटाए गए और ढुंझ व्यवस्था को दिल्ली केंद्रित कर राज्य स्तर के

अधिकारियों को पर्याप्त जानकारी से दूर रखा गया। उन्होंने आरोप लगाया कि दोनों निर्वाचन आयुक्तों को भी प्रक्रिया से बाहर रखा गया। कांग्रेस नेता ने इसे महज प्रशासनिक चूक नहीं, बल्कि चुनावी व्यवस्था के दुरुपयोग का गंभीर मामला बताया। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी लगातार मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं और -वोट चोरी- का मुद्दा उठा रहे हैं। राठौर के मुताबिक, अब चुनाव आयोग के भीतर से सामने आए जानकारीयें से लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए गंभीर खतरा है।

सीपीआई नेता कमलेश झाड़ी ने भी केंद्र सरकार और मुख्य निर्वाचन आयुक्त पर तीखे आरोप लगाए। उन्होंने दावा किया कि देश में 13 करोड़ से अधिक लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं और इसे लोकतंत्र की नींव को हमला बताया। झाड़ी ने केंद्र सरकार पर अधिनायकवादी और फ़सीवादी सोच के साथ काम करने का आरोप लगाते हुए कहा कि सीपीआई लोकतांत्रिक संस्थाओं के कथित दुरुपयोग का कड़ा विरोध करती है। इस दौरान पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष शंकर कुड़ियम, प्रवीण डोंगरे, जनपद अध्यक्ष सोनू पोटाटम, ज्योति कुमार, बेनहूर रावतिया, सुखदेव नाग, बसंत हप्का, पुरुषोत्तम सख्हर, जितेंद्र हेमला, सहित बड़ी संख्या में इंडिया गठबंधन के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सेवानिवृत्ति पर उत्तम सिंह पंचारी व भुनेश्वर सिंह कंवर का सम्मान



■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर, 5 अक्टूबर। जिले में लंबे समय तक सेवाएं देने के बाद स्थानांतरित हुए वरिष्ठ डिप्टी कलेक्टर उत्तम सिंह पंचारी एवं सहायक अभियंता भुनेश्वर सिंह कंवर को कंवर समाज बीजापुर ने शुक्रवार शाम भावभीनी विदाई दी। इंडियन कॉफी हाउस में आयोजित सादे एवं गरिमायम समारोह में समाज के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने दोनों अधिकारियों का सम्मान कर उनके कार्यकाल और समाज के प्रति योगदान को याद किया। समाज प्रतिनिधियों ने कहा कि दोनों अधिकारी कंवर समाज के सफ़िय एवं समाजहितैषी सदस्य रहे। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने समाज एवं क्षेत्र के विकास में सहयोग, मार्गदर्शन और सकारात्मक भूमिका निभाई। समाज की ओर से दोनों अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनके नए दायित्वों में सफलता की कामना की गई।

विदाई समारोह में समाज

की ओर से दोनों अधिकारियों को शॉल, श्रीपुष्प एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। साथ ही उनके उज्ज्वल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य और आगामी दायित्वों में सफलता की शुभकामनाएं दी गई।समारोह को संबोधित करते हुए उत्तम सिंह पंचारी ने बीजापुर में बिताए अपने कार्यकाल के सुखद एवं चुनौतीपूर्ण अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि बीजापुर में उन्हें आमजन के साथ-साथ कंवर समाज से भी निरंतर सहयोग, स्नेह और मार्गदर्शन मिला, जिसके लिए उन्होंने समाज के प्रति आभार जताया। वहीं भुनेश्वर सिंह कंवर ने समाज में एकता और आपसी सहयोग की भावना को और मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने बीजापुर के दुर्गम क्षेत्रों में दायित्वों के निर्वहन के दौरान आदिवासी समाज एवं स्थानीय लोगों से मिले सहयोग के लिए विशेष रूप से धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में कंवर समाज के अलावा अन्य सदस्य एवं सहयोगी उपस्थित रहे।

बिना नंबर के ऑटो एवं दोपहिया वाहन चालकों पर यातायात पुलिस की कार्रवाई



जगदलपुर, 5 अक्टूबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। आगामी त्योहारों के मद्देनजर शहर में यातायात व्यवस्था को सुचारु एवं सुरक्षित बनाए रखने के उद्देश्य से यातायात पुलिस जगदलपुर द्वारा बिना नंबर के संचालित ऑटो एवं मोटरसाइकिलों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। पुलिस अधीक्षक बस्तर शरभ कुमार सिन्हा के मार्गदर्शन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुखनंदन राठौर एवं नगर पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार धोत्रे के निर्देशन में यातायात पुलिस द्वारा शहर में बिना नंबर के वाहन चलाने वाले चालकों को यातायात कार्यालय लाया गया। यातायात कार्यालय में वाहन चालकों को यातायात नियमों, वाहन में नंबर प्लेट लगाने की अनिवार्यता, आवश्यक दस्तावेज रखने तथा सुरक्षित वाहन संचालन के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। नियमों का उल्लंघन करने वाले बिना नंबर के वाहन चालकों के विरुद्ध नियमानुसार चालानी कार्रवाई भी की गई। यातायात पुलिस द्वारा वाहन चालकों को समझाइश दी गई कि वाहन को सड़क पर संचालित करने से पूर्व उसका पंजीयन एवं नंबर प्लेट सुनिश्चित करें तथा वाहन चलाने समय यातायात के सभी नियमों का पालन करें। पुलिस ने आम नागरिकों से भी अपील की है कि वे बिना नंबर अथवा आवश्यक दस्तावेजों के वाहन

रजिस्ट्री के साथ नामांतरण से बचा समय, किसान चंद्रशेखर को नहीं लगाने पड़े कार्यालय के चक्कर

कांकेर, 5 अक्टूबर। संपत्ति की रजिस्ट्री के बाद नामांतरण के लिए अलग से आवेदन करने और कार्यालयों के चक्कर लगाने की जरूरत कम होने से नागरिकों को राहत मिल रही है। कांकेर जिले के अभनपुर-सरोना निवासी किसान चंद्रशेखर निषाद ने पंजीयन व्यवस्था में हुए इस बदलाव का अनुभव साझा किया है। संपत्ति का पंजीयन होने के बाद ऑटोम्यूटेशन के माध्यम से नामांतरण की प्रक्रिया आगे बढ़ी और उनका नाम राजस्व अभिलेखों में दर्ज हो गया। इससे उनका समय बचा और उन्हें नामांतरण के लिए अलग से कार्यालय नहीं जाना पड़ा।

‘सेवा संकल्प अभियान’ के तहत पंजीयन विभाग से संवाद के दौरान चंद्रशेखर ने बताया कि पहले संपत्ति के पंजीयन के बाद नामांतरण के लिए अलग प्रक्रिया पूरी करनी पड़ती थी। इस बार ऑटोम्यूटेशन की सुविधा से रजिस्ट्री के बाद नामांतरण की प्रक्रिया स्वतः आगे बढ़ी। उन्होंने कहा, -मेरा नामांतरण तुरंत हो गया। इससे मेरे समय की बहुत बचत हुई और मुझे अलग से कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़े। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और वित्त एवं पंजीयन मंत्री ओपी चौधरी के मार्गदर्शन में पंजीयन सेवाओं को सरल, सुगम और नागरिक-केंद्रित बनाने के लिए तकनीक आधारित सुधार किए जा रहे हैं। रजिस्ट्री से लेकर नामांतरण तक की प्रक्रियाओं को आसपस से जोड़ने, पहचान सत्यापन को मजबूत करने और ऑनलाइन सुविधाओं के विस्तार से

नागरिकों की अनावश्यक दौड़भाग कम करने का प्रयास किया जा रहा है।

ऑटोम्यूटेशन व्यवस्था के तहत संपत्ति का पंजीयन होने के बाद नामांतरण की प्रक्रिया स्वतः आगे बढ़ती है। इससे नागरिकों को अलग से आवेदन करने और संबंधित कार्यालय में जाकर प्रक्रिया पूरी कराने की आवश्यकता कम होती है। किसानों और आम नागरिकों के लिए यह सुविधा संपत्ति संबंधी कार्यों को अधिक सहज बनाने में सहायक है।

पंजीयन व्यवस्था में तकनीक का उपयोग केवल नामांतरण तक सीमित नहीं है। आधार आधारित प्रमाणीकरण के माध्यम से क्रेता, विक्रेता और गवाहों की पहचान के सत्यापन की व्यवस्था की गई है। इससे पक्षकारों की पहचान सुनिश्चित करने और गलत पहचान के आधार पर पंजीयन की आशंका को कम करने में मदद मिलती है।

इसके अलावा ऑनलाइन अपॉइंटमेंट, ऑनलाइन भुगतान और डिजिटल दस्तावेज जैसी सुविधाएं भी पंजीयन प्रक्रिया को आसान बना रही हैं। नागरिक नेट बैंकिंग और यूपीआई जैसे डिजिटल माध्यमों से पंजीयन शुल्क का भुगतान कर सकते हैं। इससे समय की बचत के साथ प्रक्रिया में पारदर्शिता और सुविधा बढ़ी है। चंद्रशेखर निषाद का अनुभव बताता है कि पंजीयन व्यवस्था में किए गए तकनीकी सुधारों का लाभ केवल रजिस्ट्री तक सीमित नहीं है।

रायपुर से रावघाट और कुरुद के लिए जल्द चलेगी ट्रेन:रेल मंडल ने बोर्ड को भेजा प्रस्ताव

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर, 5 अक्टूबर। छत्तीसगढ़ के रेल यात्रियों के लिए एक बड़ी और खुशखबरी सामने आ रही है। राजधानी रायपुर से रावघाट और कुरुद रेल मार्ग पर जल्द ही यात्री ट्रेन सेवा शुरू होने जा रही है। इसी बीच, केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव 9 अक्टूबर को रायपुर प्रवास पर आ रहे हैं। वे यहां आयोजित होने वाले ‘आरपीएफ राईजिंग’ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कयास लगाए जा रहे हैं कि अपने इस छत्तीसगढ़ दौरे के दौरान रेल मंत्री रायपुर-रावघाट और रायपुर-कुरुद मार्ग पर ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना कर सकते हैं।

भानुप्रतापपुर और रावघाट तक ट्रेन सेवा शुरू होने से बस्तर अंचल के दूरदराज इलाकों में आवागमन सुगम होगा और क्षेत्र के आर्थिक-सामाजिक विकास को गति मिलेगी।

हरी झंडी मिलते ही सेवाओं को शुरू किया जा सके।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का 9 अक्टूबर को रायपुर दौरा: रेलवे बोर्ड की अंतिम स्वीकृति का इंतजार किया जा रहा है। इसी बीच, केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव 9 अक्टूबर को रायपुर प्रवास पर आ रहे हैं। वे यहां आयोजित होने वाले ‘आरपीएफ राईजिंग’ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कयास लगाए जा रहे हैं कि अपने इस छत्तीसगढ़ दौरे के दौरान रेल मंत्री रायपुर-रावघाट और रायपुर-कुरुद मार्ग पर ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना कर सकते हैं।

भानुप्रतापपुर और रावघाट तक ट्रेन सेवा शुरू होने से बस्तर अंचल के दूरदराज इलाकों में आवागमन सुगम होगा और क्षेत्र के आर्थिक-सामाजिक विकास को गति मिलेगी।



को लेकर भी समाज ने चिंता जताई है। समाज का कहना है कि यदि पारंपरिक आयोजन के साथ इस तरह की गतिविधियां जुड़ती हैं तो इससे आयोजन की मूल भावना प्रभावित होती है और ग्रामीण वातावरण पर भी इसका प्रतिकूल स्पर् पड़ सकता है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। समाज ने प्रशासन से जांच कर वास्तविक स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है।

समाज के पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया कि उनकी मांग पारंपरिक आयोजनों को बंद करने की

नहीं है। उनका कहना है कि आदिवासी समाज की सांस्कृतिक परंपराओं के तहत होने वाले आयोजनों को मर्यादित एवं व्यवस्थित तरीके से जारी रखा जाना चाहिए। प्रेसवार्ता के दौरान सर्व आदिवासी समाज अध्यक्ष अशोक तलांडी, अल्था मदनैया, अनिल पामभोई, कामेश्वर गोयाम, सलिक राम नानवंशी, शंकर लाल सड़मेक, मरपेली किरटेया, सऊलम सनटी सहित समाज के अन्य प्रमुख पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

खरसिया में बुनियादी सुविधाओं की कमी के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

खरसिया,5 अक्टूबर। नगर की बद्दहाल बुनियादी सुविधाओं-सड़क, सफाई, बिजली और पेयजल की किल्लत को लेकर खरसिया नगर कांग्रेस ने मोर्चा खोल दिया है। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सुनील शर्मा के नेतृत्व में सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं ने नगर में पैदल मार्च निकाला और मुख्य नगर पालिका अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर जनसमस्याओं के तत्काल निराकरण की मांग की। चेतावनी दी गई है कि यदि जनहित की मांगों को शीघ्र पूरा नहीं किया गया तो आम जनता के साथ मिलकर बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

मूलभूत सुविधाओं की कमी से नगरवासी परेशान-सुनील शर्मा

ब्लॉक अध्यक्ष सुनील शर्मा और पार्टी कार्यकर्ताओं ने बताया कि नगर पालिका प्रशासन पिछले लगभग डेढ़ वर्षों से नागरिकों को न्यूनतम सुविधाएं तक उपलब्ध कराने में पूरी तरह असमर्थ रहा है। वर्तमान नगर सरकार के कार्यकाल में

शहर की व्यवस्था चरमरा गई है।

उप सफाई व्यवस्था और महामारी का खतरा

पुरानी बस्ती, ठाकुरदिया, हमालपारा और गंज के पीछे जैसे इलाकों में नियमित झाड़ू तक नहीं लग रही है। जगह-जगह कचरे के ढेर जमा हैं, जिससे मच्छरों का प्रकोप बढ़ रहा है और महामारी फैलने की आशंका बनी हुई है।

अंधेरे में डूबे वार्ड

नगर के विभिन्न वार्डों में स्ट्रीट लाइटें बंद पड़ी हैं। खंभों पर लाइट न होने से रात के समय वार्डों में अंधेरा छाया रहता है, जिससे नागरिकों को सुरक्षा संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

गंभीर जल संकट

भागीरथी नल-जल योजना से वंचित क्षेत्रों में बोर के जरिए पेयजल आपूर्ति की जाती थी। हालांकि, पिछले 6 महीनों से खराब पड़ें सरकारी बोरवेलों की मरम्मत नहीं कराई गई है, जिससे कई वार्डों में पानी के लिए हाहकार



मचा है।

भ्रष्टाचार और गुणवत्ताहीन निर्माण के आरोप

कांग्रेस ने आरोप लगाया कि वर्तमान नगर सरकार भ्रष्टाचार में लिप्त है। तालाबों और कुओं का आकार छोटा कर

उन्हें सुखाया जा रहा है, तथा एक ही तालाब की सफाई के नाम पर बार-बार राशि आहरित की जा रही है। निर्माण कार्यों की गुणवत्ता इतनी घटिया है कि 15 मिनट की बारिश में नालियां बह जाती हैं। स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स और ऑडिटोरियम भी अनियमितताओं का केंद्र बन चुके हैं।

सड़क पर मुरम डालकर छोड़ दिया, वाहनों के गुजरते ही उड़ रही धूल

जनता पूछ रही,सड़क सुधार रहे हैं या नई परेशानी खड़ी कर रहे

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

छुरा, 5 अक्टूबर। सड़कों पर बने जानलेवा गड्ढों से परेशान लोगों को उम्मीद थी कि लोक निर्माण विभाग अब सड़क की हालत सुधारेगा और सुरक्षित सफर की राह आसान होगी। विभाग ने गड्ढे भरने की कवायद शुरू भी कर दी, लेकिन मरम्मत का तरीका अब खुद सवालों के घेरे में आ गया है। छुरा-बागबाहरा मार्ग पर डामर सड़क के गड्ढों को भरने के लिए गिट्टी और डामर की जगह मुरम डालकर उसे सड़क पर ही फैला दिया गया। गड्ढे कुछ हद तक दबे तो जरूर, लेकिन अब सड़क से उठने वाले धूल के गुबार ने राहगीरों की परेशानी कई गुना बढ़ा दी है।

स्थिति यह है कि एक तरफ गड्ढों से राहत मिली तो दूसरी तरफ धूल ने सड़क पर कब्जा जमा लिया। जैसे ही कोई वाहन इस मार्ग से गुजरता है, सड़क पर पड़ा सूखा मुरम और मिट्टी हवा में उड़ने लगता है। देखते ही देखते सड़क पर धूल का गुबार छा जाता है। दोपहिया वाहन चालक, पैदल राहगीर और आसपास रहने वाले लोग इस धूल से परेशान हैं।

गड्ढे पाटने का ‘नया तरीका’, लेकिन सड़क पर छोड़ दी गई मुरम

अब तक सड़क के गड्ढों की मरम्मत के लिए गिट्टी, डामर और अन्य निर्माण सामग्री का इस्तेमाल किया जाता रहा है, ताकि सड़क की सतह मजबूत और सुरक्षित हो सके। लेकिन छुरा-बागबाहरा मार्ग पर विभाग द्वारा अपनाए गए तरीके ने लोगों को हैरान कर दिया है।

गड्ढों में मुरम डालकर उसे सड़क की सतह पर फैला दिया गया।

अब तक सड़क के गड्ढों की मरम्मत के लिए गिट्टी, डामर और अन्य निर्माण सामग्री का इस्तेमाल किया जाता रहा है, ताकि सड़क की सतह मजबूत और सुरक्षित हो सके। लेकिन छुरा-बागबाहरा मार्ग पर विभाग द्वारा अपनाए गए तरीके ने लोगों को हैरान कर दिया है।

इसके बाद वाहनों की आवाजाही शुरू होते ही मुरम के बारीक कण हवा में उड़ने लगें। सड़क की मरम्मत पूरी हुई या आधी-अधूरी छोड़ दी गई-यह



सवाल अब राहगीरों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है।लोगों का कहना है कि यदि मुरम डालने के बाद उसे सही तरीके से दबाया जाता, आवश्यकतानुसार पानी का छिड़काव किया जाता और सड़क को सतह को व्यवस्थित किया जाता तो शायद धूल की समस्या इतनी गंभीर नहीं होती।

वाहन गुजरते ही उठता है धूल का गुबार, पीछे चलने वाले को सड़क तक नहीं दिखती

छुरा-बागबाहरा मार्ग पर वाहनों की आवाजाही लगातार बनी रहती है। छोटे वाहनों से लेकर भारी वाहन तक इस मार्ग से गुजरते हैं। ऐसे में सड़क पर फैली सूखी मुरम वाहनों के पहियों के साथ उड़कर वातावरण में फैल रही है। खासकर दोपहिया वाहन चालकों की परेशानी 'यादा बढ़ गई है। सामने या आगे चल रहे वाहन के पीछे धूल का गुबार उठने के कारण कुछ समय के लिए दृश्यता प्रभावित होती है। राहगीरों को मुंह और नाक ढंकरकर गुजरना पड़ रहा है। गड्ढों से बचने के लिए सड़क किनारे चलें तो धूल, सड़क के बीच चलें तो मुरम और वाहनों का खतरा-आँखिर राहगीर जाएं तो जाएं कहा? स्थानीय लोगों का यही सवाल विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है।

जिसका का सीधा सवाल-क्या विभाग को सिर्फ

गड्ढे दिखाई देते हैं, धूल नहीं? स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क की मरम्मत जरूरी है, लेकिन मरम्मत ऐसी होनी चाहिए जिससे समस्या का स्थायी समाधान हो। यदि गड्ढे भरने के बाद सड़क पर ही मुरम छोड़ दी जाएगी और उससे धूल उड़ती रहेगी तो एक परेशानी खत्म करके दूसरी परेशानी पैदा करने का क्या मतलब है?लोग सवाल उठा रहे हैं कि क्या सड़क निर्माण और मरम्मत का मतलब सिर्फ गड्ढे भर देना है? क्या राहगीरों की सुविधा और स्वास्थ्य की जिम्मेदारी भी विभाग की नहीं है?जनता का कहना है कि विभाग को यह भी देखना चाहिए कि सड़क पर डाली गई निर्माण सामग्री वाहनों की आवाजाही के दौरान धूल का कारण न बने। सड़क की गुणवत्ता के साथ-साथ राहगीरों की सुरक्षा और सुविधा को भी प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

‘गड्ढा मुक्त’ सड़क के नाम पर ‘धूल मुक्त’ कब होगी सड़क?

बारिश के मौसम में सड़क पर गड्ढे बनना और उनका बढ़ना आम समस्या है। ऐसे में विभाग द्वारा गड्ढों की मरम्मत किया जाना जरूरी है। लेकिन लोगों का कहना है कि मरम्मत के नाम पर केवल मुरम डालकर जिम्मेदारी पूरी कर देना पर्याप्त नहीं है।

सड़क पर डाली गई मुरम यदि ठीक से दबाई नहीं गई तो आने वाले दिनों में बारिश और भारी वाहनों की आवाजाही से वह फिर फैल सकती है और

वित्त मंत्री ने सिंदूर पार्क में 50 दिव्यांगों

को वितरित किए सहायक उपकरण

रायगढ़, 5 अक्टूबर । सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शनिवार को सिंदूर पार्क में ‘सेवा मेरा योगदान’ के तहत नशामुक्त भारत अभियान एवं दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक ओ.पी.चौधरी शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रीय, राष्ट्राण एवं रं'योगीत से हुई। इसके बाद वित्त मंत्री चौधरी ने अतिथियों के साथ दीप प्र-वर्लित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने कार्यक्रम में ×50 दिव्यांगजनों को करीब 60 लाख रुपए की लागत के विभिन्न सहायक उपकरण वितरित किया। इसके साथ ही उन्होंने युवाओं को नशे और मोबाइल के अत्यधिक उपयोग से बचने, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा स्वरोजगार और उद्यमिता की दिशा में आगे बढ़ने का संदेश दिया।

नगर की प्रमुख सड़कें और वार्डों के अंदरूनी मार्ग बद्दहाल

नगर की प्रमुख सड़कें और वार्डों के अंदरूनी मार्ग पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। रेलवे स्टेशन से गांधी चौक, गांधी चौक से राठौर चौक होते हुए हेमू कल्याणी चौक, तथा पोस्ट ऑफिस से बस्ती चौक व सब्जी मार्केट की सड़कें गड्ढों में तब्दील हो चुकी हैं। हमालपारा (पैदल क्र. 04 व 05) सहित कई वार्डों में राहगीरों और वाहन चलने वालों के लिए आवागमन खतरनाक हो गया है।

उग्र आंदोलन को चेतावनी

कांग्रेस नेताओं ने साफ शब्दों में कहा कि यदि नगर पालिका प्रशासन ने जनहित की इन प्राथमिक समस्याओं का त्वरित समाधान नहीं किया, तो कांग्रेस पार्टी आम जनता को साथ लेकर उग्र आंदोलन करेगी, जिसकी पूरी जिम्मेदारी नगर पालिका प्रशासन की होगी।उक्त कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कांग्रेस के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

महतारी वंदन योजना की राशि से

आशा लता ने खरीदी सिलाई मशीन

रायगढ़, 5 अक्टूबर । कभी दूसरों के खेतों में मजदूरी कर परिवार की आर्थिक मदद करने वाली आशा लता आज महतारी वंदन योजना की राशि का सदुपयोग कर अपना टेलरिंग व्यवसाय चला रही हैं। सेवा की कहानी के तहत उन्होंने शासन की योजना का लाभ मिलने से अपने जीवन में आए बदलाव को साझा की।

धरमजयगढ़ तहसील के ग्राम सागरपुर निवासी आशा लता ने बताया कि पहले उनके परिवार का आर्थिक स्थिति अ'च्छी नहीं थी। पति मजदूरी करते हैं और वह भी दूसरों के खेतों में काम करके परिवार की आर्थिक जरूरतों में सहयोग करती थीं। इसी दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ता दीदी ने उन्हें महतारी वंदन योजना की जानकारी दी और योजना का फॉर्म भर्वाया। योजना के तहत उन्हें हर महीने एक हजार रुपये की राशि मिलने लगी। आशा लता ने इस राशि को खर्च करने के बजाय धीरे-धीरे बचाना शुरू किया। जमा नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल, स्थायी मरम्मत की मांग

स्थानीय लोगों ने लोक निर्माण विभाग से मांग की है कि छुरा-बागबाहरा मार्ग पर डाली गई मुरम को व्यवस्थित तरीके से दबाया जाए और धूल उड़ने की समस्या को तत्काल समाधान किया जाए। जरूरत के अनुसार पानी का छिड़काव कराने के साथ सड़क की सतह को यातायात के अनुकूल बनाया जाए।

लोगों का कहना है कि सड़क पर गड्ढे रहना भी परेशानी है और गड्ढे भरने के बाद धूल का गुबार उठना भी। इसलिए विभाग को ऐसी मरम्मत करनी चाहिए जो कुछ दिनों की राहत देने के बजाय लंबे समय तक सड़क को सुरक्षित और सुविधाजनक बनाए।अब देखना यह है कि लोक निर्माण विभाग इस ‘मुरम वाली मरम्मत’ को अंतिम समाधान मानकर चुप बैठता है या फिर सड़क पर उड़ रही धूल को देखकर आगे की ठोस कार्रवाई करता है।

महाधरना के बाद मिला मानदेय में वृद्धि का आश्वासन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दछीराजहरा, 5 अक्टूबर।

भारतीय मजदूर संघ के प्रदेशव्यापी महाधरना का बड़ा असर हुआ है। रायपुर के तूता में हुए महाधरना के बाद सरकार ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका, आशा कार्यकर्ता, मध्यान्ह भोजन रसोइया सहित सभी योजना कर्मियों के मानदेय में वृद्धि का आश्वासन दिया है।

प्रदेश भर से हजारों कार्यकर्ता कल 1 अक्टूबर को तूता में जुटे थे। लंबे समय से सम्मानजनक मानदेय और सामाजिक सुरक्षा की मांग की जा रही थी। धरने के बाद सरकार के प्रतिनिधि के तौर पर शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव और श्रम सचिव ने क्रूस के प्रतिनिधिमंडल से चर्चा की।

चर्चा में सरकार ने स्पष्ट किया



कि सभी लंबित मांगों पर क्रमबद्ध तरीके से बैठक कर ठोस निर्णय लिया जाएगा। इससे पहले 24 सितंबर को मुख्यमंत्री, श्रम मंत्री, महिला बाल विकास मंत्री और वित्त मंत्री की मौजूदगी में भी बैठक हुई थी, जिसमें मंत्रिस्तरीय उपसमिति बनाने का फैसला हुआ था।

माधुरी रथ ने क्या कहा? आंगनबाड़ी कार्यकर्ता-सहायिका संघ (BMS) की प्रदेश महामंत्री माधुरी रथ ने बताया कि ंसरकार ने सकारात्मक चर्चा की है। मंत्री जी ने आश्स्त किया है कि मध्य

जिला स्तरीय सेवा सेतु सह मेगा स्वास्थ्य शिविर से 570 हितग्राही लाभान्वित

कांकेर, 5 अक्टूबर। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत भानुप्रतापपुर विकासखंड के सुदूर एवं पहाड़ी क्षेत्र ग्राम तरांदुल में आज जिला स्तरीय सेवा सेतु सह मेगा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। नक्सल गतिविधियों से प्रभावित रहे इस क्षेत्र में आयोजित शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा ग्रामीणों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ-साथ मौके पर ही विभिन्न सेवाओं एवं योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया। शिविर में कुल 570 हितग्राही विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित हुए।जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती किरण नेरेटी ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि सेवा संकल्प अभियान के तहत तरांदुल जैसे दूरस्थ क्षेत्र में सेवा सेतु शिविर का आयोजन शासन की योजनाओं को ग्रामीणों के द्वार तक पहुंचाने की महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने ग्रामीणों से विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी लेने और पात्रतानुसार उनका लाभ उठाने की अपील की।

उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र पूर्व में नक्सल गतिविधियों से प्रभावित रहा है, लेकिन अब क्षेत्र में शांति स्थापित होने के साथ विकास कार्यों में तेजी आई है। उन्होंने ग्रामीणों से स्वच्छता को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने तथा महिलाओं से स्व-सहायता समूहों से जुड़कर आर्थिक रूप से सशक्त बनने और लक्ष्मति दीदी बनने की दिशा में आगे बढ़ने का आह्वान किया।कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार ने कहा कि जब वे भानुप्रतापपुर में एसडीएम के रूप में पदस्थ थे।



एक नजर

छत्तीसगढ़ के शहरी गरीबों के पक्के आवास अभियान को राष्ट्रीय पहचान मिली

रायपुर, 5 अक्टूबर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार शहरी गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों के +अपने पक्के घर+ के सपने को साकार करने के लिए प्रबिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन तथा विकास मंत्री श्री अरुण साव के सतत मार्गदर्शन में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के क्रियान्वयन को नई गति मिली है। राज्य के आवास प्रयासों को राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण पहचान मिली है। छत्तीसगढ़ को प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) पुरस्कार-2026 समारोह में सम्मान ग्रहण करने के लिए आमंत्रित किया गया है। भारत सरकार के आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा आयोजित प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) पुरस्कार-2026 समारोह 5 अक्टूबर को नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयोजित होगा। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा तथा राज्य शहरी विकास अधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी-सह-राज्य मिशन संचालक, पीएमएवाई (शहरी) श्री सुमित अग्रवाल छत्तीसगढ़ की ओर से इसमें सहभागिता करेंगे। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने शहरी विकास योजनाओं को जनकल्याण से जोड़ते हुए पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ समयबद्ध ढंग से पहुंचाने पर विशेष जोर दिया है। उनके मार्गदर्शन में राज्य सरकार द्वारा शहरी गरीबों के आवास निर्माण को गति देने, लंबित आवार्यों को पूरा कराने तथा हितग्राहियों को मूलभूत सुविधाओं से जोड़ने के लिए सतत अनुश्रवण किया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव के नेतृत्व में नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग तथा राज्य शहरी विकास अधिकरण द्वारा नगरीय निकायों के साथ समन्वय कर योजना का जमीनी क्रियान्वयन सुदृढ़ किया गया है। आवास स्वीकृति से लेकर निर्माण की प्रगति, गुणवत्ता, हितग्राही-केंद्रित प्रक्रिया और समयबद्ध पूर्णता तक प्रत्येक स्तर पर प्रभावी निगरानी की जा रही है। इससे योजना का लाभ वास्तविक पात्र परिवारों तक पहुंचाने और उनके जीवन में स्थायी बदलाव लाने का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

सौर सुजला योजना से खेत में आई रोशनी

रायपुर, 5 अक्टूबर। कभी सिंचाई के लिए पानी की उपलब्धता पर निर्भर रहने वाले कोरिया जिले के किसान आशीष टोप्पो अब अपने एक एकड़ खेत में सालभर खेती को व्यवस्थित तरीके से आगे बढ़ा रहे हैं। सौर सुजला योजना के तहत मिली सौर सिंचाई सुविधा ने उनके लिए खेती के नए रास्ते खोले हैं। ग्राम पंचायत कदमनारा निवासी 46 वर्षीय आशीष टोप्पो पिता प्रभुदयाल अब एक ही खेत से अलग-अलग मौसम में फसल लेने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। आशीष बताते हैं कि सौर सिंचाई सुविधा मिलने के बाद खेत में पानी का बेहतर प्रबंधन संभव हुआ है। इससे वे खेती की गतिविधियों को नियमित रूप से संचालित कर पा रहे हैं और वर्तमान में एक एकड़ भूमि पर साल में करीब तीन फसलें लेने का प्रयास कर रहे हैं। आशीष टोप्पो अपने खेत में धान, गेहूं, सरसों, उड़द और मूंफ्फली जैसी विभिन्न फसलों की खेती करते हैं। सिंचाई की सुविधा उपलब्ध होने से वे मौसम और खेत की जरूरत के अनुसार अलग-अलग फसलों की योजना बना पा रहे हैं। उनके मुताबिक, पहले खेती में पानी की उपलब्धता एक महत्वपूर्ण चुनौती थी। सौर सिंचाई सुविधा ने इस चुनौती को काफ़ी हद तक आसान किया है। अब वे उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करते हुए खेती को अधिक व्यवस्थित बनाने की कोशिश कर रहे हैं। आशीष टोप्पो के अनुसार खेती से उन्हें हर साल लगभग एक लाख रुपये की आयवर्दी” प्राप्त होती है। उनका कहना है कि सिंचाई की सुविधा बेहतर होने से फसलों की खेती नियमित रूप से कर पाना संभव हुआ है और कृषि गतिविधियों को लगातार आगे बढ़ाने का अवसर मिला है। उनके लिए सौर सुजला योजना केवल खेत तक पानी पहुंचाने का साधन नहीं, बल्कि खेती को अधिक व्यवस्थित और टिकाऊ तरीके से करने का माध्यम बनी है। आशीष टोप्पो की कहानी बताती है कि सिंचाई सुविधा किसानों के लिए खेती की संभावनाओं को कैसे बढ़ा सकती है। एक एकड़ जैसी सीमित कृषि भूमि पर भी यदि पानी की उपलब्धता बेहतर हो तो किसान अलग-अलग मौसम में विविध फसलें लेने की योजना बना सकते हैं। आशीष अब उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम उपयोग करते हुए अपनी कृषि आय को बनाए रखने और खेती को और बेहतर तरीके से आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं। सौर सुजला योजना उनके लिए खेत में सिंचाई सुविधा के साथ खेती के प्रति बढ़े भरोसे की कहानी बन गई है।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता,सहायिका और मितानिनों का हुआ सम्मान

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 5 अक्टूबर। सेवा संकल्प अभियान के तहत गुरु घासीदास वार्ड में आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वार्ड की महिलाओं, बच्चों के साथ आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं एवं मितानिनों की सक्रिय भूमिका और उनके सेवाभावी कार्यों को सम्मानित किया गया। इस दौरान शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ ही महिलाओं से योजनाओं के क्रियान्वयन और उनसे मिल रहे लाभ के संबंध में संवाद किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गुरु घासीदास वार्ड के पूर्व पार्षद विजय राय ने कहा कि सरकार की योजनाओं की सार्थकता तभी है, जब उनका लाभ समाज के अंतिम छोर पर खड़ी महिला और



जरूरतमंद परिवार तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका और मितानिन दीर्घियां महिलाओं एवं बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण और सुरक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में शासन की योजनाओं को जरूरतमंदों तक पहुंचाने में इनकी भूमिका बेहद अहम है। उन्होंने कहा कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और मितानिन घर-घर जाकर महिलाओं एवं बच्चों से

सकारात्मक सोच, मानवीय मूल्य और नवाचार से ही जीवन में आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त होता है:राज्यपाल

रायपुर, 5 अक्टूबर। राज्यपाल श्री रमेन डेका आज रोल- बोल सामाजिक संस्था द्वारा आयोजित ‘रोल बोल यूथ कॉन्क्लेव-2026’ में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने सकारात्मक सोच, मानवीय मूल्यों, नवाचार और तकनीक के जिम्मेदार उपयोग को जीवन की सफलता के लिए महत्वपूर्ण बताया।

मेडिकल कॉलेज के सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में राज्यपाल श्री डेका ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि जीवन में सकारात्मकता बहुत आवश्यक है। हमें हमेशा सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ना चाहिए। नकारात्मक सोच के साथ सफलता प्राप्त करना कठिन है। उन्होंने कहा कि ‘रोल-बोल-रेस्ट ऑफ लाइफ़ बेस्ट ऑफ लाइफ़’ जीवन को सकारात्मक दृष्टि से देखने और अपने साथ-साथ दूसरों के जीवन को बेहतर बनाने की सोच का संदेश देता है।

उन्होंने स्वामी विवेकानंद के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि जो हो गया, उसे पीछे छोड़कर और भविष्य की अनावश्यक चिंता किए बिना वर्तमान पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। हमारे जीवन की सफलता केवल व्यक्तिगत उपलब्धियों से नहीं, बल्कि इस बात से भी जुड़ी है कि हमने कितने अच्छे संबंध बनाए हैं और परिवार, रिश्तेदारों, मित्रों तथा



पड़ोसियों के साथ हमारे संबंध कैसे हैं।

राज्यपाल ने कहा कि हार को भी स्वीकार करना चाहिए, क्योंकि हार हमें कठिन परिश्रम करने और अगली बार बेहतर प्रदर्शन कर जीत हासिल करने की प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि आज इंटरनेट और तकनीक ने पूरी दुनिया को हमारी पहुंच में ला दिया है। गूगल के माध्यम से बहुत-सी जानकारीयां आसानी से उपलब्ध हो जाती हैं, लेकिन युवाओं में मौलिक सोच, मानसिक अभ्यास और स्वयं खोज करने की क्षमता विकसित होना भी जरूरी है।

उन्होंने कहा कि नई खोज, नवाचार

और नई संभावनाओं को तलाशने की क्षमता मानव जीवन की विशेषता है। विज्ञान और तकनीक ने जीवनशैली में व्यापक परिवर्तन किए हैं और इसका प्रमुख आधार निरंतर नवाचार है। शिक्षा का उद्देश्य केवल जानकारी प्राप्त करना नहीं, बल्कि मानव जीवन को बेहतर बनाना भी है। तकनीक का विकास, निरंतर जारी रहेगा, लेकिन उसका उपयोग समाज और मानवता के हित में होना चाहिए।

राज्यपाल श्री डेका ने युवाओं से कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग सोच-समझकर

और जिम्मेदारी के साथ करें। सोशल मीडिया पर फेक न्यूज, भ्रामक सामग्री और डीपफेक जैसी चुनौतियों से स्वयं को और समाज को सुरक्षित रखना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि मशीन बुद्धिमान हो सकती है, लेकिन मानवता मनुष्य के भीतर ही रहती है। तकनीक कितनी भी विकसित हो जाए, वह मानवीय संवेदनाओं और मूल्यों का स्थान नहीं ले सकती।

उन्होंने कहा कि जीवन में चरित्र का बहुत महत्व है। हमें अपने संबंधों को सहजकर रखना चाहिए और सफलता मिलने पर भी विनम्र बने रहना चाहिए। ज्ञान लीजिए, ज्ञान दीजिए और इसका इस्तेमाल करिए यही सच्ची मानवीय परंपरा है।राज्यपाल ने कहा कि मानव का बौद्धिक गुण सर्वोपरि है। तकनीक का उपयोग रचनात्मक कार्यों और समाज के कल्याण के लिए होना चाहिए, न कि विनाश के लिए। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस कार्यक्रम के माध्यम से युवा एक सकारात्मक संदेश लेकर जाएंगे।

कार्यक्रम में कौशल उन्नयन, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार मंत्री गुरु खुशवंत साहिब, बॉलीवुड संगीतकार मोट्टी शर्मा, रोल-बोल संस्था के पदाधिकारी तथा राजनीति, मीडिया, उद्योग और सिनेमा से जुड़े विशिष्टजन उपस्थित थे।

जिले के तमाम आंगनवाड़ी केंद्रों में पोषण जागरूकता के साथ सेवा गतिविधियां जारी

रायपुर, 5 अक्टूबर। सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले के आंगनवाड़ी केंद्रों में आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम के माध्यम से पोषण जागरूकता और जनभागीदारी से जुड़ी गतिविधियां जारी हैं। रायगढ़ जिले के सराईपाली, तमनार में लोकसभा सांसद श्री राधेश्याम राठिया ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रमाण पत्र एवं पौधे देकर सम्मानित किया। इस दौरान ‘हर घर मुनगा, घर-घर मुनगा’ अभियान के तहत ब्रोशर वितरित किए गए और जनभागीदारी का संदेश दिया गया। जोगीराई में पौष्टिक थाली एवं व्यंजन प्रदर्शनी, स्वस्थ बालक-बालिका, फेंसी ड्रेस और मेहंदी प्रतियोगिता, अन्नप्राशन तथा न्योता भोज कराया गया। डोलेसर-2 में गोदभराई, अन्नप्राशन और पोषण

जागरूकता गतिविधियां हुईं। टेंगापाली-2 में पौष्टिक व्यंजन प्रदर्शनी, चित्रकला एवं कुर्सी डौड़ आयोजित की गई। इसी तरह चेलितोंगरी, वैद्यपारा सेमौपाली में मुनगा पौधरोपण, तुरंगा रामचंडीपारा में गोदभराई, अन्नप्राशन एवं मेहंदी प्रतियोगिता, बिंजकोट में ‘मेरी कहानी, मेरी जुबानी’ तथा अजा पारा में एनीमिया जागरूकता और पौष्टिक थाली प्रदर्शनी आयोजित हुईं। बायसी और मेडरमार में हितग्राहियों ने योजनाओं से मिले लाभ के अनुभव साझा किए। विभिन्न केंद्रों में कार्यकर्ता, सहायिका एवं मितानिनों का सम्मान, हितग्राहियों को विभागीय योजनाओं की जानकारी, न्योता भोज और ‘हर घर मुनगा, घर-घर मुनगा’ के तहत पौधरोपण भी किया गया।



आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम में दिया पोषण, स्वास्थ्य और महिला सशक्तिकरण का संदेश

रायपुर, 5 अक्टूबर। सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के ग्राम पंचायत डोमनापारा के आंगनवाड़ी केंद्र में पोषण माह 2026 के तहत ‘आंगन मिलन सेवा’ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण परिवारों को पोषण, स्वास्थ्य, मातृ-शिशु देखभाल एवं महिला सशक्तिकरण से जुड़ी शासकीय योजनाओं की जानकारी प्रदान करना और समुदाय में जागरूकता बढ़ाना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ परियोजना मनेन्द्रगढ़ ग्रामीण की पर्यवेक्षक शिल्पा अग्रवाल द्वारा किया गया। इस अवसर पर महिलाओं, बच्चों, गर्भवती एवं धात्री माताओं, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं तथा ग्रामीण जनप्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान आंगनवाड़ी केंद्र में न्योता भोज का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों को पौष्टिक भोजन कराया गया। पर्यवेक्षक शिल्पा अग्रवाल ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत



आंगन मिलन सेवा का उद्देश्य शासन की योजनाओं और सेवाओं को गांव-गांव तक पहुंचाना है। उन्होंने महिलाओं एवं बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य और समुचित विकास के लिए परिवार एवं समुदाय की सक्रिय

भागीदारी को आवश्यक बताया। इस दौरान आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं आशा दीर्घियों का सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं को छत्तीसगढ़ शासन द्वारा महिला एवं बाल विकास विभाग के माध्यम से

संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, महतारी वंदन योजना सहित महिला एवं बाल हितैषी योजनाओं के संबंध में हितग्राहियों से संवाद किया गया और पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया।

इसके साथ ही ‘हर घर मुनगा, घर-घर मुनगा’ अभियान के तहत मुनगा के पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम में पौष्टिक थाली का प्रदर्शन एवं व्यंजन प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली महिलाओं को सम्मानित

किया गया। आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को बच्चों के सर्वांगीण विकास, संतुलित आहार, स्थानीय स्तर पर उपलब्ध पौष्टिक खाद्य पदार्थों के उपयोग तथा गर्भवती एवं धात्री माताओं के स्वास्थ्य एवं पोषण पर विशेष ध्यान देने के लिए प्रेरित किया गया। विभिन्न गतिविधियों, प्रतियोगिताओं और संवाद के माध्यम से महिलाओं को शासन की योजनाओं से जोड़ने के साथ ही उन्हें अपने परिवार एवं समाज में स्वास्थ्य, पोषण और स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जिले के विभिन्न ग्रामों में इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिससे ग्रामीण महिलाओं और परिवारों को शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी उनके घर के नजदीक ही मिल सके। आंगन मिलन सेवा जैसे कार्यक्रम ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता बढ़ाने के साथ महिलाओं के आत्मविश्वास और सहभागिता को भी मजबूत कर रहे हैं।

डोंगरगढ़ के रिसोर्ट में कथित जुए का खेल! गोंदिया-नागपुर से पहुंच रहे लोगों को लेकर चर्चा, ड्रेन शॉट के कई वीडियो होने का दावा; प्रशासन की निगरानी पर सवाल

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

डोंगरगढ़ 5 अक्टूबर। धर्मनगरी डोंगरगढ़ में संचालित एक रिसोर्ट इन दिनों कथित गतिविधियों को लेकर चर्चा में है। सूत्रों के अनुसार रिसोर्ट में जुआ सहित अन्य संदिग्ध गतिविधियां संचालित होने की शिकायतें सामने आ रही हैं। वहीं कुछ प्रभावशाली लोगों के यहां पहुंचने की भी चर्चा है। हालांकि इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि अभी नहीं हुई है।

गोंदिया-नागपुर से पहुंचते हैं बड़े चेहरे?-सूत्रों के अनुसार रिसोर्ट में केवल स्थानीय लोगों की ही आवाजाही नहीं, बल्कि गोंदिया और नागपुर सहित आसपास के बड़े शहरों से भी कुछ प्रभावशाली लोगों के पहुंचने की चर्चा है। सूत्रों का दावा है कि इन लोगों की आवाजाही और रिसोर्ट में होने वाली गतिविधियों को लेकर कई तरह की बातें सामने आ रही हैं।हालांकि किसी व्यक्ति की पहचान या उसके खिलाफ किसी गैरकानूनी गतिविधि में शामिल होने का दावा बिना आधिकारिक पुष्टि के नहीं किया जा सकता।

ड्रेन शॉट के कई वीडियो होने का दावा : इस पूरे मामले में सबसे अहम बात यह बताई जा रही है कि ड्रेन कैमरे से रिकॉर्ड किए गए कई वीडियो स्थानीय लोगों के पास मौजूद हैं। सूत्रों के मुताबिक इन वीडियो में रिसोर्ट परिसर और वहां होने वाली गतिविधियों से जुड़े दृश्य दिखाई देते हैं। अब यदि ये वीडियो सार्वजनिक होते हैं तो उनकी प्रामाणिकता, रिकॉर्डिंग की तरीख



और स्थान की पुष्टि महत्वपूर्ण होगी। इसके बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि वीडियो में दिखाई देने वाली गतिविधियां वास्तव में क्या हैं।

प्रशासन की निगरानी पर सवाल: यदि रिसोर्ट में वास्तव में जुआ या कोई अन्य अवैध गतिविधि संचालित हो रही है, तो सवाल यह भी है कि पुलिस और संबंधित विभागों की निगरानी व्यवस्था क्या कर रही है?

क्या रिसोर्ट की नियमित जांच होती है?-क्या वहां आने-जाने वाले लोगों और दर रात होने वाली गतिविधियों की जानकारी प्रशासन के पास है और यदि शिकायतें सही हैं तो अब तक कार्रवाई क्यों नहीं हुई?इन सवालों का जवाब प्रशासनिक जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

वीडियो सामने आने के बाद बड़ेगी हलचल: फिलहाल पूरा मामला आरोप और सूत्रों से मिली जानकारी पर आधारित है। ड्रेन वीडियो और अन्य उपलब्ध साक्ष्य सामने आने के बाद मामले की वास्तविक तस्वीर स्पष्ट होने की उम्मीद है।पुलिस प्रशासन और संबंधित विभाग से मामले की निष्पक्ष जांच की अपेक्षा है। यदि जांच में किसी प्रकार की अवैध गतिविधि सामने आती तो नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए।

आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम में पोषण,स्वास्थ्य की जानकारी दी



■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 5 अक्टूबर। शंकरपुर वार्ड क्रमांक 10 के आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक 1 में सेवा संकल्प अभियान के तहत वार्ड के चारों आंगनवाड़ी केंद्रों का संयुक्त कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पार्षद श्री शिव वर्मा एवं विशिष्ट अतिथि श्रीमती आभा श्रीवास्तव, जिला मंत्री, महिला मोर्चा उपस्थित रही। कार्यक्रम में बच्चों के लिए खेल एवं विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं। महिलाओं एवं हितग्राहियों को श्री नरेंद्र मोदी जी की 25 वर्षों की जनसेवा एवं सुशासन की यात्रा तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई।

श्रीमती आभा श्रीवास्तव ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिवस की शुभकामनाएं देते हुए महिलाओं से बच्चों के पोषण एवं स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने

की अपील की। उन्होंने कहा कि महिलाओं और बच्चों के सशक्तिकरण से ही स्वस्थ एवं मजबूत समाज का निर्माण संभव है। उन्होंने स्वच्छता, आवास, अनुच्छेद 370, तीन तलाक, श्रीराम मंदिर निर्माण एवं महिला कल्याण से जुड़ी योजनाओं सहित विभिन्न कार्यों की जानकारी साझा की। पार्षद श्री शिव वर्मा ने कहा कि आंगनवाड़ी केंद्र बच्चों के पोषण और प्रारंभिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने तथा लोगों को योजनाओं के प्रति जागरूक करने की बात कही।

स्वास्थ्य विभाग की नर्स ने टीकाकरण एवं स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दी। आंगनवाड़ी संचालिका श्रीमती सुनीता देवी ने अतिथियों एवं प्रतिभाग महिलाओं का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं हितग्राहियों की सहभागिता रही।

महतारी वंदन की राशि से बेटियों के भविष्य की कर रही तैयारी रायपुर, 5 अक्टूबर। शासकीय योजनाओं का लाभ परिवार की जरूरतों के साथ भविष्य की तैयारी में भी उपयोगी साबित हो रहा है। रायगढ़ जिले के खरसिया के वार्ड क्रमांक 14, गंज पीछे निवासी श्रीमती अंशु साह महतारी वंदन योजना से मिलने वाली राशि को अपनी दो बेटियों के भविष्य के लिए बचत के रूप में उपयोग कर रही हैं। श्रीमती अंशु साह का महतारी वंदन योजना के लिए आवेदन स्थानीय आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका के सहयोग से कराया गया। आवेदन स्वीकृत होने के बाद उन्हें प्रतिमाह एक हजार रुपये की सहायता राशि मिल रही है। वह इस राशि को अपनी दोनों बेटियों के नाम संचालित चुकुन्या समृद्धि योजना के खातों में जमा कर रही हैं।

ग्रेड-पे बढ़ाने की मांग, नर्सिंग स्टाफ 7 से करेगा चरणबद्ध प्रदर्शन

रायपुर, 5 अक्टूबर। प्रदेशभर के स्वास्थ्य संस्थानों में कार्यरत नर्सिंग स्टाफने ग्रेड पे बढ़ाए जाने की मांग को लेकर चरणबद्ध आंदोलन का ऐलान किया है। एसोसिएशन के मुताबिक 7 अक्टूबर 2026 से चरणबद्ध विरोध प्रदर्शन शुरू किया जाएगा। पहले चरण में 7 अक्टूबर को भोजन अवकाश के दौरान प्रदेश के ब्लॉक और जिला स्तर पर स्वास्थ्य संस्थानों के बाहर धरना प्रदर्शन किया जाएगा। इसके बाद मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव के नाम का ज्ञापन अपने संस्था प्रमुख तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी और जिला कलेक्टर को सौंपा जाएगा। आंदोलन के अगले चरण में 30 अक्टूबर 2026 को राजधानी रायपुर में प्रदेश स्तरीय धरना-प्रदर्शन और महारैली प्रस्तावित है। एसोसिएशन ने बड़ी संख्या में नर्सिंग स्टाफके इस प्रदर्शन में शामिल होने की बात कही है। वहीं, मांगों पर समाधान नहीं होने की स्थिति में 18 नवंबर 2026 से अनिश्चितकालीन आंदोलन शुरू करने की घोषणा की गई है। सघ की प्रदेश अध्यक्ष सुमन शर्मा ने बताया कि नर्सिंग स्टाफका ग्रेड पे बढ़ाए जाने की मांग को लेकर 2018 में आंदोलन किया गया था। आंदोलन के दौरान नर्सों को जेल में दंस दिया गया था। कठोर यातनाएं दी गई थी, जिसके पश्चात नर्सों की लबित मांगों के निराकरण के लिए शासन द्वारा कमेटी गठन कर ग्रेड पे बढ़ाने संबंधी अनुशंसाएं की गई थी, लेकिन वह अनुशंसा आज 8 साल बीत जाने के बावजूद लागू नहीं की गई।

प्रधानमंत्री मोदी के महिला सशक्तिकरण के संकल्प को साकार कर रही बिहान की दीदियां

रायपुर, 5 अक्टूबर। प्राकृतिक सौंदर्य और वनौषधीय संपदा के लिए अपनी अलग पहचान रखने वाले गौरैला-पेंड़ा-मरवाही जिले की वादियों में इन दिनों एक नई खुशबू फैल रही है। यह खुशबू केवल लेमन ग्रास की नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता, समृद्धि और महिला सशक्तिकरण की है। कभी परिवार की सीमित आर में घर-गृहस्थी संभालने वाली ग्रामीण महिलाएं आज संगठित होकर खेती और स्वरोजगार के माध्यम से अपने परिवार की आर्थिक ताकत बन रही हैं। ग्राम अमारू में बिहान योजना से जुड़ी महिला स्वसहायता समूहों की दीदियों ने लेमन ग्रास की खेती के जरिए ‘लखपति दीदी’ बनने की दिशा में एक नई शुरुआत की है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाकर ‘लखपति दीदी’ के रूप में आगे बढ़ाने की परिकल्पना को मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार जमीनी स्तर पर साकार करने की दिशा में लगातार काम कर रही है। केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं के समन्वय से महिलाओं को स्वसहायता समूहों से जोड़ने के साथ उन्हें आर्थिक सहायता, बैंक लिकेज, प्रशिक्षण और आजीविका के नए अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसी कड़ी में जीपीएम जिले में लेमन ग्रास जैसी औषधीय और व्यावसायिक फसलों को ग्रामीण महिलाओं की आय का नया माध्यम बनाने की पहल की गई है।

फिजिक्स वाला कोचिंग सेंटर में आग लगने से मचा हड़कंप

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 5 अक्टूबर। भिलाई स्थित फिजिक्स वाला कोचिंग सेंटर में आग लग गई है, जिससे कुछ देर के लिए हड़कंप मच गया। हालांकि सेंटर प्रबंधन ने समय रहते फ़ायर एक्सटिंग्विशर से आग पर काबू पा लिया नेहरू नगर स्थित फिजिक्स सेंटर में हुई है वाटर कुलर में शॉर्ट सर्किट से लगी आग सेंटर हेड तापस चौधरी के मुताबिक, वाटर कुलर में शॉर्ट सर्किट के चलते यह आग लगी थी, जिसे समय रहते फ़ायर एक्सटिंग्विशर से काबू कर लिया गया। बताया जा रहा है कि घटना के वक्त बच्चे अपने क्लास में थे हालांकि इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है हर महीने दिया जाता है फ़ायर सेफ्टी का ट्रेनिंग इस दौरान सेंटर हेड ने बताया कि उन्हें हर महीने कोचिंग सेंटर में फ़ायर सेफ्टी का ट्रेनिंग दिया जाता है ऐसे में वे पहले से ही ऐसी घटनाओं को लेकर अलर्ट थे।



रायपुर, 5 अक्टूबर। राजधानी रायपुर के सड्डे स्थित प्रिंस ढाबे में सोमवार को उस समय गहमागहमी की स्थिति बन गई, जब प्रशासन की टीम बड़ी संख्या में पुलिस बल के साथ ढाबे को अवैध बताकर तोड़ने पहुंची। इस दौरान ढाबा संचालक ने खुद पर पेट्रोल डेडले लिया, जिसके बाद प्रशासन ने स्थिति को देखते हुए कार्रवाई को स्थगित कर दिया।

ढाबा संचालक ने लगाए आरोप : प्रशासन द्वारा ढाबे को अवैध बताते हुए तोड़ने की कार्रवाई शुरू की जा रही थी। कार्रवाई के दौरान ढाबा संचालक और प्रशासनिक अधिकारियों के बीच बातचीत हुई। मुख्य विवाद ढाबे की जमीन के सीमांकन को लेकर सामने आया। ढाबा संचालक ने आरोप लगाया कि बिना सीमांकन किए ही प्रशासन द्वारा कार्रवाई की जा रही है। संचालक का यह भी आरोप है कि मामला कोर्ट में विचाराधीन होने के बावजूद प्रशासन कार्रवाई कर रहा है। इसी मुद्दे को लेकर मौके पर अधिकारियों और ढाबा संचालक के बीच काफी देर तक बातचीत होती रही।

ढाबा संचालक ने खुद पर डेडला पेट्रोल: कार्रवाई के विरोध में ढाबा संचालक ने खुद पर



पेट्रोल डेडले लिया और आग लगाने की कोशिश की, जिससे हड़कंप मच गया। स्थिति को देखते हुए मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात



रहा। कोर्ट के ऑर्डर तक कार्रवाई स्थगित : प्रशासन ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए

कार्रवाई दुर्ग स्टेशन में चलाया गया किलेबंदी टिकट चेकिंग अभियान, यात्रियों में मची हड़बड़ी

टिकट चेकिंग के दौरान 246 लोगों से 1.59 लाख की वसूली



रायपुर, 5 अक्टूबर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक डॉ सुस्कर विपुल विलासराव के निर्देश पर दुर्ग रेलवे स्टेशन पर किलाबंदी टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। जिसमें स्टेशन के सभी प्लेटफ़ॉर्म, 12 ट्रेनों में किलाबंदी टिकट चेकिंग अभियान में शामिल रहे। रेल प्रशासन यात्रियों को आगाह करता है कि वे यात्रा हेतु उचित टिकट एवं रेल परिसर में प्रवेश करने के पहले प्लेटफ़ॉर्म टिकट अवश्य खरीदें। रेलगाड़ी एवं रेल परिसर को साफसुधारा रखने में भी रेल प्रशासन को सहयोग प्रदान करें। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल के वाणिज्य विभाग द्वारा समय-समय पर टिकट चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है।

2000/- रुपए राजस्व प्राप्त हुआ । इस टिकट चेकिंग का मुख्य उद्देश्य यात्रियों को टिकट लेने के प्रति जागरूक करना था । इस टिकट चेकिंग अभियान में सहायक वाणिज्य प्रबंधक श्री अविनाश कुमार आनन्द, मुख्य वाणिज्य निरीक्षक टिकट चेकिंग 1 एवं 18 टिकट चेकिंग स्टाफस्टाफ शामिल रहे । रेल प्रशासन यात्रियों को आगाह करता है कि वे यात्रा हेतु उचित टिकट एवं रेल परिसर में प्रवेश करने के पहले प्लेटफ़ॉर्म टिकट अवश्य खरीदें। रेलगाड़ी एवं रेल परिसर को साफसुधारा रखने में भी रेल प्रशासन को सहयोग प्रदान करें। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल के वाणिज्य विभाग द्वारा समय-समय पर टिकट चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है।

दुर्ग से मांडर तक 70 किमी पर स्टैंडर्ड कवच कमीशन

रायपुर/बिलासपुर। भारतीय रेल में आधुनिक तकनीक के माध्यम से रेल संरक्षा को सुदृढ़ करने की दिशा में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर मंडल में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। दुर्ग से मांडर तक 70 रुट किलोमीटर के सभी रेल मार्गों सहित सरोना-उरकुश बाईपास लाइन पर स्टैंडर्ड कवच की कमीशनिंग 3 अक्टूबर को पूर्ण की गई। इस परियोजना के अंतर्गत 984 ट्रेकसाइड आरएफआईडी टैग्स को अतिरिक्त वैकल्पिक व्यवस्था के साथ स्थापित एवं प्रोग्राम किया गया है। आरएफआईडी प्रणाली का कार्यान्वयन कवच 4.0 के तकनीकी विनिर्देशों के अनुरूप किया गया है। कवच भारतीय रेल के अनुसंधान अभिकल्प एवं मानक संगठन द्वारा विकसित स्वदेशी ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेक्शन प्रणाली है। यह ट्रेनों की गति एवं स्थिति से संबंधित जानकारी के आधार पर संरक्षित परिवालन में सहायता करती है तथा आवश्यकता पड़ने पर स्वचालित ब्रेकिंग के माध्यम से ट्रेन को सुरक्षित रोकने में सक्षम है।



प्रमुख संरक्षा लाभ: कवच से लेस लोकमोटीव में निम्न प्रमुख संरक्षा सुविधाएं उपलब्ध होती हैं। आमने-सामने की संभावित टक्कर से बचाव। पीछे से होने वाली संभावित टक्कर से बचाव। ट्रेन के अनियंत्रित रूप से आगे बढ़ने से सुरक्षा। स्टैंडस्टिल के दौरान अनावश्यक मूवमेंट से सुरक्षा। असामान्य रूप से ट्रेन रुकने की स्थिति में ऑनबोर्ड एसओएस सुरक्षा सुविधा। रायपुर मंडल में कवच के इस विस्तार से आधुनिक ट्रेन प्रोटेक्शन प्रणाली के दायरे में वृद्धि हुई है, जिससे संरक्षित एवं विश्वसनीय रेल परिवालन को और मजबूती मिलेगी।

राजधानी

तरुण छत्तीसगढ़

आवेदन की माला पहनकर निगम में अर्धनग्न होकर प्रदर्शन कई बार शिकायत के बाद भी कार्रवाई नहीं होने का आरोप; 4 मांगों को लेकर आयुक्त से मिलने पर अड़े प्रदर्शनकारी

रायपुर, 5 अक्टूबर। नगर निगम कार्यालय में सोमवार को चार मांगों को लेकर अर्धनग्न प्रदर्शन किया जा रहा है। प्रदर्शनकारी निगम आयुक्त से मुलाकात की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि जब तक आयुक्त उनसे मुलाकात नहीं करते, तब तक प्रदर्शन जारी रहेगा। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि वे इन समस्याओं को लेकर पहले भी निगम के अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को कई बार आवेदन दे चुके हैं। आवेदन में लिखा है कि कुछ मांगों को लेकर 20 से

25 बार तक आवेदन दिए जा चुके हैं, लेकिन अब तक समाधान नहीं हुआ। इसके बाद उन्होंने प्रदर्शन का रास्ता अपनाया है। चार मांगों को लेकर प्रदर्शन: प्रदर्शनकारियों ने आवेदन में चार प्रमुख मांगें रखी हैं। इनमें वृंदावन नगर-कुशालपुर मुख्य मार्ग पर स्पीड ब्रेकर दोबारा बनवाने की मांग शामिल है। आवेदन के मुताबिक यहां स्पीड ब्रेकर लगाया गया था, जिसे बाद में हटा दिया गया।दूसरी मांग वामनराव लाखे वार्ड-

66 में सड़कों की मरम्मत की है। आवेदन में कहा गया है कि कुशालपुर क्षेत्र में सड़कों की खराब हालत और गड्ढों की समस्या को दूर किया जाए। तीसरी मांग निगम कर्मचारी महेश वाघ को निर्लंबित करने और उन्हें संरक्षण देने वाले जोन कमिश्नर के खिलाफ कार्रवाई की है। वहीं, पंकज गार्डन के सौंदर्यीकरण में गड़बड़ी के आरोप लगाते हुए संबंधित ठेकेदार के बिल का भुगतान रोकने और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की गई है।



25 अगस्त तक मांग पूरी नहीं होने पर दी थी चेतावनी

आवेदन में प्रदर्शनकारी ने कहा था कि यदि 25 अगस्त 2026 तक मांगें पूरी नहीं होती हैं तो जोन-5 कार्यालय के बाहर अनशन किया जाएगा। अब प्रदर्शनकारी निगम कार्यालय पहुंचकर अर्धनग्न प्रदर्शन कर रहे हैं। उनका कहना है कि वे निगम आयुक्त के सामने अपनी मांगें रखना चाहते हैं। आयुक्त से मुलाकात होने तक प्रदर्शन जारी रखने की बात कही गई है।

अभा तैलिक साहू महासभा के राष्ट्रीय अधिवेशन में शामिल हुए उपमुख्यमंत्री तैलिक समाज परिश्रम और ईमानदारी की वजह से देश में प्रतिष्ठित : साव

रायपुर, 5 अक्टूबर। उप मुख्यमंत्री अरुण साव महाराष्ट्र के बीड में आयोजित अखिल भारतीय तैलिक साहू महासभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक और सामान्य सभा में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। देशभर से आए पदाधिकारियों और प्रतिनिधियों ने राष्ट्रीय अधिवेशन में समाज के विकास और सामाजिक हित पर चर्चा की। साव ने वहां काक् स्मृति स्थल में स्वर्गीय केशरबाई क्षीरसागर ‘केशर काक्’ को श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके योगदान को नमन किया।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव के मुख्य आतिथ्य में हुई राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक में समाज हित के विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। संगठन की गतिविधियों और सामाजिक हित से जुड़े मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। साव ने कहा कि तैलिक समाज अपने परिश्रम और ईमानदारी की वजह से देश का प्रतिष्ठित और व्यापक समाज है। हमें समाज के हर वर्ग को साथ लेकर आगे बढ़ने और सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूकता बढ़ाने, शिक्षा के क्षेत्र में समाज को प्रभावी रूप से जोर देना चाहिए। इस तरह के मंच संवाद और सहभागिता को मजबूत करते हैं। सोनाजीराव क्षीरसागर होम्योपैथिक मेडिकल

सामान्य सभा में एकजुटता के साथ आगे बढ़ने पर चर्चा

अखिल भारतीय तैलिक साहू महासभा की सामान्य सभा में साव ने वरिष्ठ पदाधिकारियों और प्रतिनिधियों के साथ सहभागिता की। इस दौरान समाज के विकास और सामाजिक हित के विभिन्न विषयों पर महत्वपूर्ण चर्चा की गई। साथ ही सामाजिक एकजुटता और समाज के उत्थान के लिए मिलकर कार्य करने पर विचार मंथन किया गया।

कॉलेज परिसर में साव ने स्वर्गीय केशरबाई क्षीरसागर शंकर साक्शु के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। श्री साव ने फ़ेकेश काक्शु को समाज के नींव के रूप में स्मरण किया। केशर साक्शु महाराष्ट्र विधानसभा में विधायक के रूप में अपनी सेवाएं दे चुकी हैं। तैलिक समाज के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष के दायित्व के दौरान उन्होंने देशभर की इकाइयों को एक छत के नीचे एकजुट कर समाज के उत्थान में हर वर्ग को किस तरह अपनी भूमिका निभानी चाहिए, इस पर जोर दिया।

